सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 256 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 29 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बिजली-बिल के लेट पेमेंट पर नहीं लगेगा पूरे महीने का ब्याज

जितने दिन बिल भुगतान में होगी देरी, अब सिर्फ उतने दिनों का ही देना होगा ब्याज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के करीब 66 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। अब बिजली बिल तय तारीख के बाद जमा करने पर पूरे महीने का लेट पेमेंट चार्ज नहीं देना होगा। उपभोक्ता जितने दिन बिल जमा करने में देरी करेगा, सिर्फ उतने ही दिनों का ब्याज लगेगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी ने साफ किया है कि सोशल मीडिया और कुछ खबरों में चल रही 'दोहरा झटका' या 'रोजाना ब्याज' जैसी बातें गलत और भ्रामक हैं। कंपनी ने कहा कि नए नियम से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। कंपनी ने बताया कि राज्य विद्युत नियामक आयोग का नया नियम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डालने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें राहत देने के लिए लागू किया गया है। लेट पेमेंट का ब्याज पहले से ज्यादा साफ और आसान तरीके से जोड़ा जाएगा। इससे उपभोक्ताओं को सिर्फ जितने दिन की देरी होगी, उतने ही दिनों का ब्याज देना पड़ेगा। यह नियम उपभोक्ताओं के हित को ध्यान में रखकर बनाया गया है। पावर कंपनी के अनुसार, पुरानी व्यवस्था में यदि कोई उपभोक्ता नियत तिथि के बाद महज एक या दो दिन की देरी से भी बिजली बिल का भुगतान करता था, तो उससे पूरे महीने का 1.5 प्रतिशत सरचार्ज वसूल लिया जाता था। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं के लिए नुकसानदेह थी।

नई व्यवस्था से ऐसे होगा उपभोक्ताओं का फायदा

संशोधित नियमों के बाद अब लेट फीस की गणना पूरी तरह पारदर्शी और उपभोक्ता-हितैषी कर दी गई है। अब विलंब अधिभार 0.04 प्रतिशत प्रतिदिन की दर से लिया जाएगा। इसका मतलब है कि उपभोक्ता जितने दिन बिल पटाने में देरी करेगा, उसे केवल उतने ही दिनों का शुल्क देना होगा।

'एक दिन की देरी पर देना होगा मामूली शुल्क'

यदि किसी कारणवश उपभेक्ता बिल के भुगतान में केवल एक दिन का विलंब होता है, तो अब पूरे महीने का सरचार्ज नहीं, बल्कि मात्र 0.04 प्रतिशत अधिभार ही देय होगा। यदि कोई उपभोक्ता पूरे 30 दिन का भी विलंब करता है, तब भी कुल अधिभार केवल 1.2 प्रतिशत (0.04 प्रतिशत म 30 दिन) ही बनेगा, जो कि पुरानी व्यवस्था के 1.5 प्रतिशत से काफी कम है।

भ्रामक खबरों से दूर रहने बिजली कंपनी की अपील'

पावर कंपनी ने साफ किया है कि नई व्यवस्था में अधिभार की दरें कम हुई हैं, बढ़ी नहीं हैं। इसे रोजाना ब्याज लगने या झटके के रूप में पेश करना तथ्यात्मक रूप से गलत है। कंपनी ने सभी समाचार माध्यमों और आमजन से अनुरोध किया है कि वे इस सही और स्पष्ट जानकारी को ही साझा करें ताकि उपभोक्ताओं के बीच फैला अनावश्यक भ्रम दूर हो सके।

राजधानी के नकटी गांव में तोड़े गए 80 घर, नया रायपुर में मिलेंगे मकान

■ जेसीबी के सामने खड़ी होकर रोई महिलाएं, पुलिस से धक्का-मुक्की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के नकटी गांव में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के लिए सोमवार सुबह से घर तोड़े गए। जिसमें पीएम और इंदिरा आवास के 32 घर भी शामिल हैं। प्रशासन ने रविवार देर रात से ही यहां 1000 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात कर दिए थे।

सुबह जैसे ही टीम जेसीबी लेकर पहुंची, तो लोग मशीनों के सामने खड़े हो गए, जिसके बाद पुलिस और ग्रामीणों के बीच भारी धक्का-मुक्की और हंगामा हुआ। ग्रामीणों में इसलिए भी आक्रोश है क्योंकि दो दिन पहले ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा था कि बारिश के मौसम में किसी के मकान नहीं तोड़े जाएंगे।

सांसद के इस आश्वासन के बावजूद भारी पुलिस बल के साथ शुरू हुई इस तोड़फोड़ से ग्रामीणों में भारा गुस्सा है। कार्रवाई के दौरान मौके से ऐसी तस्वीरें सामने आईं जहां लोग घरों के सामने सामान निकाल कर बैठे दिखे, तो टूटे मकानों के मलबे देख बेबस नजर आए। इधर बवाल के बीच प्रशासन ने दावा किया है कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की तैयारी शुरू कर दी गई है और उन्हें नया रायपुर के सेक्टर-30 स्थित ईडब्ल्यूएस मकानों में बसाने के लिए आवंटन प्रक्रिया जारी है।

खास-खबर

गुमशुदगी के 20 दिन बाद जंगल में मिली युवती की लाश

कोरबा। जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत नवाडीह के जंगल में संदिग्ध अवस्था में युवती की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। घने जंगल के भीतर शव मिलने की सूचना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही बालको थाना प्रभारी युवराज तिवारी पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस के अनुसार लाश मिलने की जानकारी सरपंच पति राय सिंह कंवर द्वारा थाने में दी गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मृतका की पहचान सपना धनुवार, 20 वर्ष, पिता हरिराम धनुवार के रूप में की। जांच में पता चला कि कुसमुंडा थाना क्षेत्र से मृतका की गुमशुदगी की रिपोर्ट करीब 20 दिनों पहले दर्ज कराई गई थी। तब से पुलिस और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे।

पटना सिटी में खाद्य तेल के गोदाम में लगी भीषण आग

पटना। सिटी इलाके में रविवार मध्य रात्रि डालडा, रिफाइन और सरसों तेल के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की 22 छोटी और बड़ी गाड़ियों ने करीब छह घंटे कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अगलगी में सबकुछ जलकर खाक हो गया। अनुमान के मुताबिक इस हादसे में डालडा, रिफाइंड और सरसों तेल समेत 50 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

रोडवेज बस और पिकअप की हुई भिड़ंत, तीन की मौत

हरिद्वार। श्यामपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत 4.2 फ्लाईओवर के पास एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। टनकपुर डिपो की रोडवेज बस और पिकअप वाहन के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

भाजपा समर्थित जनपद सदस्य और सरपंच को फंसाने गैंगरेप की झूठी-शिकायत

■ बलौदाबाजार में युवती ने रची साजिश, पांच आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

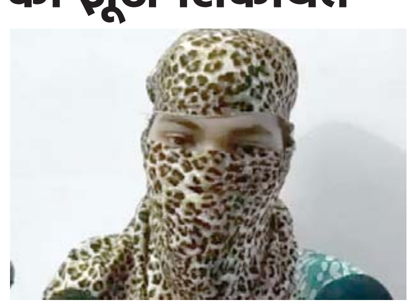

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में सरपंच जयसिंह पैकरा और भाजपा समर्थित जनपद सदस्य संजीव जायसवाल (बीडीसी) पर लगे गैंगरेप के आरोप झूठे निकले। पुलिस के मुताबिक, चुनावी रंजिश के तहत सरपंच और जनपद सदस्य को गैंगरेप के झूठे केस में फंसाकर उनसे 3 लाख रुपए की वसूली करने की साजिश रची गई थी। मामला कसडोल थाना इलाके का है।

पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा ब्लैकमेलिंग में इस्तेमाल की गई थार गाड़ी के साथ कई मोबाइल भी जब्त किए गए हैं। सरपंच और जनपद सदस्य को फंसाने युवती को पैसों का लालच दिया गया था। इनकार करने पर उसे ही झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई थी।

दरअसल, 24 जून 2026 को युवती ने कसडोल थाने में लिखित शिकायत की थी। उसने आरोप लगाया था कि ग्राम कटगी के सरपंच और बीडीसी ने उसे नौकरी दिलाने के नाम पर उसके साथ गैंगरेप किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी सबूतों की जांच की। जांच में यह पता चला कि जिस समय की घटना बताई जा रही थी, उस समय दोनों जनप्रतिनिधि मौके पर मौजूद ही नहीं थे। इस पर पुलिस को शक हुआ तो युवती से सख्ती से पूछताछ की गई और उसका बयान दर्ज किया गया, तो उसने साफ बता दिया कि उसके साथ गैंगरेप जैसी कोई घटना हुई नहीं हुई। पूछताछ में यह भी सामने आया कि यह पूरा मामला झूठा है। उसकी सहेली पूनम, भागवत थवाईत और कुछ अन्य लोगों ने मिलकर यह योजना बनाई थी। जब युवती ने ऐसा करने से इनकार किया तो उसने उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। इससे डर कर उसने सरपंच और बीडीसी के खिलाफ गैंगरेप की झूठी शिकायत की।

मुख्यमंत्री साय से कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत ने की भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए राज्यपाल गहलोत का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर की समृद्ध कला एवं सांस्कृतिक विरासत बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर दोनों के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सीएम साय ने सरकार की जनहितकारी योजनाओं की भी जानकारी दी।

सेशेल्स के अरुल मिहू विनायकर मंदिर में प्रधानमंत्री मोदी ने की पूजा-अर्चना

सेशेल्स। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सोमवार को सेशेल्स में तीसरा दिन है। आज के शेड्यूल के मुताबिक पीएम मोदी सेशेल्स के प्रसिद्ध अरुल मिहू नवशक्ति विनायकर मंदिर पहुंचे और वहां पूजा अर्चना की। यह मंदिर सेशेल्स के विक्टोरिया में स्थित है। इससे पहले रविवार को पीएम मोदी को सेशेल्स की सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का नेतृत्व करने के लिए 'गार्जियन ऑफ ब्लू हॉरिजन' सम्मान से सम्मानित किया।

सेशेल्स के विक्टोरिया में स्थित अरुल मिहू नवशक्ति विनायकर मंदिर हरी-भरी पहाड़ियों के बीच स्थित है और इसे सेशेल्स का एकमात्र हिंदू मंदिर होने का दावा किया जा रहा है। ये कोई बहुत पुराना मंदिर नहीं है और साल 1992 में ही इसकी स्थापना हुई थी। यह भगवान गणेश का मंदिर है, जिन्हें हिंदू धर्म में विपत्तियों का नाश करने वाला देवता माना जाता है। यह मंदिर दक्षिण भारतीय शैली में बना है और इसका गोपुरम दक्षिण भारत के कई प्रसिद्ध मंदिरों जैसा है।

राजामौली का पेरिस में सम्मान

पेरिस ए.। एसएस राजामौली को पेरिस के 'सिनेमाथेक फ्रेंकेस' में स्थायी जगह देकर सम्मानित किया गया है। यह फिल्ममेकर और भारतीय सिनेमा के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। 93 साल के ऑस्कर विजेता फिल्ममेकर कोस्टा-गवरस के उनकी फिल्में देखने के लिए आठ घंटे तक वहां रुकने से राजामौली का दिन बन गया। राजामौली की फिल्में जिनमें आरआरआर और बाहुबली फ्रैंचाइजी शामिल हैं, दुनिया भर में पसंद की गई हैं। उन्हें दुनिया के सबसे सम्मानित फिल्म संस्थानों में से एक ने एक खास कार्यक्रम में सम्मानित किया, जिसमें उनकी फिल्मों की स्क्रीनिंग और उसके बाद एक मास्टरक्लास आयोजित की गई थी।

हर हर महादेव के जयघोष के बीच अमरनाथ की प्रथम पूजा, 3 जुलाई से शुरू होगी यात्रा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को पवित्र अमरनाथ गुफा में विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रथम पूजा कर वार्षिक अमरनाथ यात्रा का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने बाबा बर्फानी से देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और कल्याण की प्रार्थना की।

उपराज्यपाल ने कहा कि 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के सफल आयोजन के लिए प्रशासन, श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड, सेना, पुलिस, सुरक्षाबल, स्थानीय लोग, सेवा प्रदाता और स्वयंसेवक पूरी समन्वय भावना के साथ कार्य कर रहे हैं। सभी का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित और यादगार यात्रा का अनुभव कराना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यात्रा के लिए आधारभूत ढांचे और श्रद्धालुओं की सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर के लोगों के सहयोग से प्रशासन पूरी तरह तैयार है और बाबा अमरनाथ के भक्तों के स्वागत के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

समुद्र तल से 3888 मीटर ऊंचाई पर स्थित बाबा अमरेश्वर धाम की तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू हो रही है। यात्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बहु स्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए अब तक 3.50 लाख से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। श्रीनगर मौसम केंद्र के अनुसार प्रथम पूजा के दौरान मौसम साफ रहेगा। हालांकि शाम के समय कहीं-कहीं हल्की बौछारें गिर सकती हैं। भगवती नगर यात्री निवास में तड़के विशेष पूजन होगा। इसके बाद उपराज्यपाल पहले जत्थे को रवाना करेंगे। यात्री निवास में यहां श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए एसी और नॉन-एसी हॉल की व्यवस्था है। एसी डोरमेट्री का किराया 50 रुपये प्रति व्यक्ति है।

संपादकीय

घुसपैठियों की पहचान

गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठियों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने के लिए एक अभियान शुरू करने की दिशा में सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और केंद्रीय एजेंसियों के प्रमुखों की जो बैठक बुलाई, उससे यही पता चलता है कि वे इस अभियान को लेकर संकल्पबद्ध हैं। वास्तव में ऐसे किसी अभियान की गहन आवश्यकता है। ऐसा कोई अभियान तभी सफल होगा जब उसे पूरे देश में एक साथ शुरू किया जाएगा। यह अच्छी बात है कि पहली बार ऐसा होने जा रहा है।

अभी तक अलग-अलग राज्यों की पुलिस की ओर से अपने-अपने स्तर पर घुसपैठियों के खिलाफअभियान छेड़ा जाता था। ऐसे किसी अभियान के दौरान उनकी पहचान और पकड़ भी होती थी, लेकिन घुसपैठिए ऐसा कोई अभियान शुरू होते ही पड़ोसी राज्यों में चले जाते थे। इन स्थितियों में यह आवश्यक है कि पूरे देश में घुसपैठियों के खिलाफ एक साथ अभियान चलाया जाए।

> “ रोजगार व स्वरोजगार ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ते हैं तो इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत होना जरूरी होता है। यही वजह है साय सरकार ने भी अन्य सरकारों की तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रोजगार व स्वरोजगार को बढ़ावा देने का फैसला किया है ताकि यहां के लोगों की आय बढ़े,उनका जीवनस्तर ऊंचा हो,राज्य विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग कर सके। इतिहास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए साय सरकार ने तीन फैसले किए हैं।

देश में घुसपैठियों और विशेष रूप से बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या कितनी होगी, इसका ठीक-ठीक अनुमान लगाना कठिन है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि उनकी अच्छी-खासी संख्या है। बांग्लादेशी घुसपैठिए एवं रोहिंग्या देश के लगभग सभी हिस्सों में दिखाई देते हैं। कई शहरों में तो वे लंबे समय से रह रहे हैं और उन्होंने छल-छद्म से तरह-तरह के पहचान पत्र भी हासिल कर लिए हैं। पूर्वोत्तर और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में तो वे मतदाता भी बन गए हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ भी उठा रहे हैं। घुसपैठ की समस्या पुरानी है, लेकिन अभी तक किसी भी केंद्रीय सत्ता ने इससे निपटने के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए। इसका परिणाम यह हुआ कि घुसपैठ लगातार जारी है। यह मानने के अच्छे भले कारण हैं कि घुसपैठियों को अवैध तरीके से देश में लाने और उन्हें पहचान पत्र देकर देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाने-बसाने वाले गिरोह सक्रिय हैं। इन स्थितियों में घुसपैठियों की पहचान करने और उन्हें पकड़कर वापस भेजने के लिए एक सुनियोजित रणनीति बनानी होगी।

इस रणनीति में सभी राज्य सरकारों को सक्रिय रूप से सहयोग देना होगा। घुसपैठियों के खिलाफ सख्ती इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वे केवल देश के संसाधनों पर ही बोझ नहीं बन रहे हैं, बल्कि देश के अनेक सीमावर्ती क्षेत्रों में सामाजिक ताने-बाने को भी बदल रहे हैं। कई जगह तो उनकी गतिविधियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने का काम कर रही हैं। आवश्यक केवल यह नहीं है कि घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा जाए, बल्कि यह भी है कि सीमाओं पर ऐसी व्यवस्था की जाए, जिससे भविष्य में देश के किसी भी हिस्से में घुसपैठ न हो सके। इसके लिए सीमाओं को अभेद्य बनाने का जो कार्य जारी है, उसे और ठोस रूप प्रदान करना होगा।

अपनापन

अपनेपन की भावना,
रखना हरदम आप।
सुख-दुख के साथी बनो,
कटे कष्ट संताप।।

मन के सच्चे भाव से,
बनते हैं संबंध।
संबंधों की डोर में, चंदन-
सी हो गंध।।

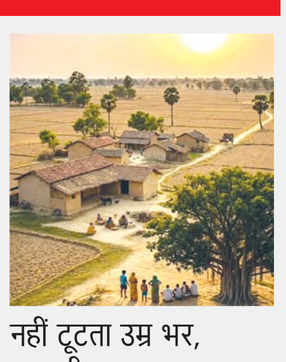

नहीं टूटता उम्र भर,
शुभाशीष जब माथ।।

मात-पिता भाई-बहन,
मिल बनते परिवार।
आपस में हो नेह जब,
सुखद बने संसार।।

'सुषमा' शुभ संदेश है,
सच्चे भाव सुमीत।
निज स्वार्थों से दूर हों,
रखें सभी से प्रीत।।

मन में हो विश्वास जब,
जीवन भर का साथ।

– कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर)

पंजाब में खिसकती सियासी ज़मीन के मायने

ज्योति मल्होत्रा

पंजाब की राजनीति में पिछला हफ़्ता कुछ ज्यादा ही गर्म रहा। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन हाल ही में राज्य के दौरे पर थे ; उन्होंने अमृतसर, लुधियाना व जालंधर का दौरा किया ताकि 2027 के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले चुनौतियों की थाह ले सकें। जैसे ही नबीन पंजाब से लौटे, एक पुराना वीडियो सामने आया जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान कथित तौर पर धार्मिक भावनाएं आहत करने वाला कृत्य करते दिख रहे हैं, जिसने हर ओर हलचल मचा दी।

अकाल तख्त, जिसे व्यापक तौर पर आस्था के मामलों में सिखों द्वारा सर्वोच्च सत्ता माना जाता है, ने इस वीडियो को लेकर मान को दोषी ठहराया है; विपक्षी दलों ने भी ऐसा ही किया। मान ने अपने बचाव में भाजपा-शासित गुड़गांव की एक लैब से मिली 'क्लीन चिट' का हवाला दिया-परंतु, जल्द ही हरियाणा पुलिस ने क्लीन चिट की एवज में पैसे के लेन-देन के आरोप में उस लैब के दो लोगों को गिरफ़्तार कर लिया है।

क्या मान इस संकट से उबर पाएंगे? क्या इससे 'आप' को बड़ा नुकसान होगा, वह पार्टी जिसने दिल्ली में भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ जन-आंदोलन से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी या क्या पार्टी पिछले हफ़्ते के झटके से उबरकर संकट को अवसर में बदल पाएगी? पिछले हफ़्ते तक, ऐसा लग रहा था कि 'आप' आसानी से आगे बढ़ रही है और विपक्ष बिखरा पड़ा है, कोई दल गंभीर चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं। मुख्यमंत्री मान के बीच-बीच में शाम ढले होने वाले चुनावी दौरे शायद ही सतलुज नदी में तरंगें उठा पाए हैं (जिसमें अभी उफान नहीं आया था)। साथ ही, अरविंद केजरीवाल के मुफ़्त सुविधाओं के चतुर वादों के साथ-जो लगता है भाजपा की सफल रही रणनीति की नकल है-जिसमें महिलाओं को पैसे देना (अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रु. प्रतिमाह तो अन्य को 1,000 रु.) और सफ़ाई कर्मचारियों, स्कूल शिक्षकों व सरपंचों जैसे महत्वपूर्ण

समूहों की शिकायतें दूर करने का वादा शामिल है, 'आप' एक ऐसा फ़ॉर्मूला तैयार कर रही है जिसमें हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। पंजाब सांसें थामे इंतज़ार कर रहा है और सवाल है कि क्या वीडियो से छिड़ी राजनीतिक लड़ाई इस सप्ताह भी जारी रहेगी।

पिछले हफ़्ते तक, भाजपा को दौड़ में सिर्फ एक प्रतिभागी भर माना जा रहा था; लेकिन मची उथल-पुथल के बीच, वह महसूस कर रही कि शायद सियासी ज़मीन पर पांव जम सकता है। महत्वाकांक्षा को सदैव लोगों को साथ जोड़ने वाली चीज माना जाता है, लेकिन सवाल है कि क्या यह काफ़ी है? चुनाव में करीब छह माह बचे हैं, क्या भाजपा के पास विधानसभा की सभी सीटों पर लड़ने योग्य 117 उम्मीदवार हैं?

गृह मंत्री अमित शाह और नितिन नबीन जैसे वरिष्ठ भाजपा नेताओं का तो मानना ??है कि हो जाएंगे। 'द ट्रिब्यून' की ज़मीनी रिपोर्ट कहती है कि अकेले अपने दम पर न तो शिरोमणि अकाली दल और न ही भाजपा की स्थिति मज़बूत है; हां, गठबंधन होने पर, मुकाबला करने लायक हो सकते हैं। मेरी सहयोगी अदिति टंडन ने हाल ही में एक वरिष्ठ भाजपा नेता का हवाला दिया है, जिन्होंने नाम न बताने की शर्त पर कहा है कि 'राजनीति में कुछ भी संभव है'। इसीलिए गत सप्ताह, जब पंजाब में सियासी परिदृश्य बदल रहा है, सवाल है: क्या भाजपा व शिरोमणि अकाली दल, जिनमें 2020 में मोदी सरकार के कृषि कानूनों को लेकर कटु अलगाव हुआ था, आख़िर क्या फिर साथ आएंगे?

निश्चित तौर पर, 'राजनीति में एक हफ़्ता बहुत लंबा समय होता है', यह एक ऐसी आम बात है जिसे हर राजनेता मानता है-सिवाय राहुल गांधी के, जिनके पास शायद अन्य ज़्यादा ज़रूरी काम हैं, जबकि बीते हफ़्ते ही दिल्ली में पंजाब के नए प्रदेशाध्यक्ष को लेकर अहम बातचीत बमुश्किल पूरी हो पाई। याद रहे ,हाल ही में शहरी निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी के बाद कांग्रेस दूसरे नंबर पर थी, जिससे पता चलता है कि भले ही राज्य में पार्टी बंटी है- मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं-फिर भी कांग्रेस की विचारधारा के प्रति लोगों में थोड़ी-बहुत वफ़ादारी अभी भी बची है।

अकाली दल के लिए बड़ी चुनौती है- क्या पंजाब के लोग उसे 'बेअदबी' के दोषियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई न करने के लिए माफ़ कर पाएंगे? यह घटना 2015 में बरगाड़ी कस्बे में हुई थी, जब पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के पन्ने फटे मिले थे-तब अकाली सरकार थी। निश्चित ही, पिछले हफ्ते विपक्ष भगवंत मान पर कथित वीडियो में वैसी ही गलती करने का आरोप लगा रहा है- जिसे मान और 'आप' ज़ोरदार ढंग से नकार रहे हैं। इसीलिए आगामी दिन चुनाव प्रचार की चाल-ढाल तय करेंगे। क्या मुख्यमंत्री इस मुश्किल दौर से पार पा सकेंगे और अपनी बेगुनाही साबित कर पाएंगे? या क्या पंजाब 2027 में 'आप' के साथ वही करेगा जो उसने 2017 में अकाली दल के साथ किया था?

2027 की लड़ाई तो अभी शुरू ही हुई है। अकाल तख्त ने पहले ही आदेश दे दिया है कि पंजाब भर के ऐतिहासिक गुरुद्वारों में मान की निंदा वाले बैनर लगाए जाएं। कई जगह इस पर अमल हो भी गया; लेकिन ऐसी खबरें भी हैं कि कुछ स्वतंत्र प्रबंधन व सिंह सभा से जुड़े गुरुद्वारों में अभी ऐसा नहीं किया। स्थिति अभी भी साफ़नहीं है। एक और तथाकथित पार्टी है, 'वारिस पंजाब दे', जिसके सांसद अमृतपाल सिंह खडूर साहिब सीट से तब चुने गए थे जब वे असम की जेल में थे व अभी वहीं हैं। पंजाब में हालात बदल रहे, नए माहौल में इस दल की स्थिति क्या होगी?

बीते हफ्ते जब हालात धुंधला रहे थे और लोग सोच रहे थे कि आगे क्या होगा; राज्य का परिदृश्य है कि सूबा एक ऐसी धुरी पर घूम रहा है जिसे उसने खुद नहीं बनाया। अमृतसर में ' द ट्रिब्यून' के पत्रकार पवन के. जायसवार का कहना है कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर रोज़ाना हेरोइन और छोटे हथियारों की बरामदगी बढ़ रही है; पुलिस अफ्सरों का कहना है कि सीमा पार से आने वाले ड्रोन अत्याधुनिक हो रहे, जो कम ऊंचाई पर उड़कर रडार से बच सकते हैं और नशा एवं हथियारों की बड़ी खेप लाने में सक्षम हैं।

जालंधर से अपर्णा बनर्जी की द्वारा की गईं खबरें जिनमें हेरोइन की वजह से पूरे के पूरे परिवार खत्म होना नशे की राक्षसी जकड़ दर्शाती है। आप का अभियान 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' स्वागत योग्य है क्योंकि यह संकट को काफी हद तक उजागर करता है, लेकिन चुनौती इतनी बड़ी है कि पुनर्वास का काम सिर्फ़ आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं किया जा सकता। पंजाब को बचाना है, तो एक व्यापक कार्ययोजना के लिए सत्ताधारी पार्टी और विपक्ष, दोनों को, साथ आना होगा। कभी-कभी स्थिति तब बदतर हो जाती है-जब नशा तस्करी के साथ हथियारों की तस्करी भी मिल जाए। पिछले हफ़्ते भाजपा ने अमृतसर से अपने एक स्थानीय वरिष्ठ नेता को बर्खास्त कर दिया, जब उसके बेटे के पास से-जो कथित तौर पर नशे का आदी है-बीएसएफ ने एके-47 समेत 26 आधुनिक हथियार बरामद किए।

शायद गत सप्ताह का आखिरी जिक्र मेरे साथियों नेहा सैनी और राजमीत सिंह की खबरों से होना चाहिए। उन्होंने गौर किया है कि राजनीतिक पार्टियों को वर्तमान में फ़ायदा उठाने के लिए इतिहास का आह्वान करना पसंद है-चाहे यह 2022 के चुनाव में आप का शहीद भगत सिंह के नाम का उपयोग करना हो या आज भाजपा द्वारा महाराजा रणजीत सिंह के 'सरकार-ए-ख़ालसा' का जिक्र करना (ऐसा सिख राज्य जो धर्मनिरपेक्ष और सबको साथ लेकर चलने वाला था)। तो जैसा कि पंजाब में होता है, अतीत और वर्तमान आपस में घुले-मिले हैं, वैसे ही जैसी एक-दूजे में समा जाने वाली यहां की नदियां। सवाल है कि क्या ये नदियां समुद्र की राह खोज पाएंगी और कैसे।

– लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

भरोसे के संकट को दूर करने की जरूरत

सुरेश सेठ

सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत में ज्ञानार्जन की समस्या है, पुस्तक संस्कृति के घटते जाने की समस्या है। हमने 2024 में नीट की परीक्षा आयोजित की। नकल और अवैध तरीकों के इस्तेमाल के कारण परीक्षा की शुद्ध?ता बुरी तरह से प्रभावित हुई और लाखों छात्रों को पुनः परीक्षा देनी पड़ी। यदि इस अनुभव से सबक लेते तो इस बार दोबारा परीक्षाएं आयोजित न करनी पड़ती। लेकिन 2026 में जब फिर नीट परीक्षा आयोजित हुई तो फिर पेपर लीक का मामला उजागर हुआ। इस घटनाक्रम ने देश की पठन-पाठन, शिक्षा प्रणाली और मूल्यांकन की शुचिता के बारे में बड़े सवाल पैदा कर दिए हैं। भारत के युवाओं का भविष्य सटीक ज्ञान के बगैर अधूरा है और चोर गलियों से सफलता के प्रतिमान स्थापित नहीं किए जा सकते।

देश में नीट की परीक्षा दूसरी बार जिस तरह आयोजित हुई, जिनकी कल्पना पहले कभी नहीं की गई। प्रश्न पत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने के लिए वायुसेना का इस्तेमाल, टेलीग्राम एप को बंद कर देने जैसे उपाय छात्रों को त्रिस्तरीय जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्रों में भेजा गया। बायोमीट्रिक जांच हुई, फिजिकल जांच हुई, दूसरे दस्तावेज जांचे गए। सात लाख सुरक्षा कर्मी और पर्यवेक्षक तैनात रहे। हर परीक्षा कक्ष में एक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया।

करीब 1.38 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरों से 95 हजार कक्षों पर नजर रखी गई और छात्र जाम में न फंसें, इसलिए प्रधानमंत्री भी दिल्ली एयरपोर्ट पर 45 मिनट रुके रहे। इसके बावजूद बिहार में 9 फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए । जिनमें 7 मेडिकल के छात्र थे। सबसे पहले जब पहली बार परीक्षा हुई तो 23 लाख छात्रों ने परीक्षा दी, इस बार दोबारा परीक्षा हुई तो 20 लाख छात्र परीक्षा देने बैठे। पहला सवाल यही है कि दो लाख से अधिक छात्र दोबारा क्यों नहीं बैठे? चाहे रिपोर्ट कहती है कि परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई है और कहीं गड़बड़ी की सूचना नहीं है। लेकिन गड़बड़ी तो पहले ही पैदा हो गई थी जब पहली परीक्षा के बाद दोबारा परीक्षा की घोषणा से पूरे देश में अवसादग्रस्त होकर कई युवा छात्रों ने आत्महत्या कर ली।

केन्द्र सरकार के दर्जनों मंत्रालयों के साथ राज्य सरकारों व एजेंसियों ने 37 दिनों तक एकजुट होकर काम किया। यह सही है कि परीक्षाएं पूरी तरह से सफल रहने की घोषणाएं की जा रही हैं लेकिन असल में ये कितनी सफल हुई हैं इसका पता तो परिणामों की घोषणा के साथ ही चलेगा। शिक्षाविदों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि अचानक इतने वर्षों के बाद परीक्षा व्यवस्था इतनी भयावह समस्या क्यों बन गई कि इसके आयोजन के लिए वायुसेना से लेकर लाखों पुलिसकर्मियों की मदद लेनी पड़ी; और इसके बावजूद बड़े पैमाने पर नकल करते हुए छात्र पकड़े जा रहे हैं। क्या इस स्थिति का मूल कारण वर्तमान शिक्षा प्रणाली के प्रति पैदा हुआ अविश्वास है?

आज कुछ संस्थाएं परीक्षा की ठेकेदारी कर रही थीं, उन्हीं पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने पेपर लीक किए हैं। क्यों विद्यार्थियों पर इतना अविश्वास किया गया कि उनके परीक्षा केन्द्र बदलकर उन्हें दूर-दूर तक परीक्षा देने जाना पड़ा। जैसे पहले के वर्षों में चलता रहा है क्या उसी तरह से परीक्षाएं उन्हीं केन्द्रों में नहीं करवाई जा सकती थीं, जहां से छात्र संबंध रखते थे।

अगर थोड़ा-सा विश्वास वरिष्ठ शिक्षक जनों पर करके परीक्षा प्रणाली को उनके हवाले कर दिया जाता तो शिक्षक अपने पेशे के प्रति ईमानदार होते हुए अपनी अंतरात्मा का हनन कभी नहीं करेंगे अभी भी 90 प्रतिशत शिक्षक ऐसे ही हैं। उन मासूम छात्रों के बारे में सोचा जाए जिन्होंने दिन-रात एक करके पूरी मेहनत से परीक्षाएं दीं लेकिन अचानक उन्हें यह संदेश दिया गया कि पिछली मेहनत व्यर्थ है, अब दोबारा परीक्षा दो। हम समझते हैं कि इस समस्या का समाधान यही है कि परीक्षा लेने वालों और परीक्षा देने वालों पर पूरा विश्वास किया जाए। उनके लिए सुविधाजनक केंद्र बनाए जाएं। तब असामाजिक तत्व सारा तंत्र बिगड़ने पर आमादा हो जाएं तो उन्हें चुनकर बाहर फेंकना आसान हो जाएगा।8

इस समय परीक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन की जरूरत है। यह नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, पूरी मेहनत और शिक्षण और शिक्षा के प्रति पूर्ण समर्पण के बिना नहीं हो सकता। अपराधी तलाश करने की जगह छात्रों की मेहनत और अध्यापकों के नैतिक कर्तव्य पर विश्वास को प्राथमिकता दी जाए तो परीक्षाओं की ईमानदारी से करवाने की इस जटिल गुत्थी को सुलझाने में तनिक भी देर नहीं लगेगी। आने वाला भारत डिजिटल होने जा रहा है। यहां शिक्षा के अलग-अलग आयामों में आमूलचूल परिवर्तन होगा। एआई तकनीकें सामने आ रही हैं। साइबर शक्ति बढ़ रही है। इन्हें सीखने का क्रम चलता रहे और ईमानदारी से प्रयास किया जाए तो हर वर्ष ऐसे एक देश एक परीक्षा जैसे आयोजन निरापद ढंग से पूरे हो सकेंगे।

– लेखक साहित्यकार हैं।

डिजिटल हीरा

राजा कुमारेंद्र सिंह सेंगर

सेमीकॉन इंडिया आयोजन में देश की पूरी तरह से स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर चिप को पेश किया गया। विक्रम नामक चिप को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी ने बनाया है। यह 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर है, जिसे पूरी तरह से देश में डिजाइन किया और बनाया गया है। वर्तमान डिजिटल युग में तमाम सारे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जो आज हमारे जीवन का प्रमुख हिस्सा हैं, इन्हीं सेमीकंडक्टर चिप के सहारे काम करते हैं। जीवन शैली को सहज और सरल बनाने में उपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में प्रयोग होने वाली चिप का उत्पादन गिने-चुने देशों में ही होता है। ताइवान, दक्षिण कोरिया और अमेरिका इसके उत्पादन के केन्द्र-बिन्दु हैं। सेमीकंडक्टर चिप का इतिहास 1947 में ट्रांजिस्टर के आविष्कार से शुरू हुआ, जब अमेरिका के बेल लैब्स के विलियम शॉकली, वाल्टर ब्रेटेन और जॉन बार्डीन ने जर्मेनियम पर आधारित पहला ट्रांजिस्टर बनाया। इसके बाद 1958 में टेक्सास के जैक किल्बी ने जर्मेनियम का उपयोग करते हुए विश्व के पहले इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) का निर्माण किया।

भारतीय संदर्भ में सेमीकंडक्टर के इतिहास पर नजर डालें तो अस्सी के दशक के आरम्भ में सेमीकंडक्टर चिप निर्माण हेतु चंडीगढ़ में सेमीकंडक्टर कॉम्प्लेक्स लिमिटेड की स्थापना की गई थी। तकनीकी एवं आर्थिक कारणों से सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में अवरोध उत्पन्न

होने के कारण लम्बे समय तक देश को इसके लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ा। दूसरे देशों पर निर्भरता की एक लम्बी यात्रा पूरी करने के बाद अपनी पहली पूर्ण स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप विक्रम के निर्माण पश्चात भारत ने अब अगली जनरेशन की सेमीकंडक्टर तकनीक में कदम रख दिया है। सरकार की पहल पर भारत में सेमीकंडक्टर इंडिया कार्यक्रम का आरम्भ 2021 में हुआ। इसके अंतर्गत 2023 में पहले प्लांट को मंजूरी मिलने के बाद कई अन्य परियोजनाओं को भी मंजूरी मिली। इस मिशन के अंतर्गत 76000 करोड़ रुपये का सरकारी बजट भी निर्धारित कर दिया गया है।

अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में वैश्विक संभावनाएं हैं। इस समय वैश्विक बाजार लगभग 600 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। ऐसे में भारत के लिए व्यापक अवसर यहां उपलब्ध हैं। ऐसी सम्भावना जताई जा रही है कि 2026 तक भारत में इस क्षेत्र में लगभग दस लाख नए रोजगार सृजित किये जाने की उम्मीद है।

साभार : कुमारेंद्र डॉट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम

तृणमूल के पराभव में सबके लिए सबक

राहुल वर्मा

करीब दो महीने पहले तक ममता बनर्जी अजेय नजर आ रही थीं। बंगाल केंद्रित उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस अन्य राज्यों में विस्तार की योजनाओं में जुटी थी। कुछ राजनीतिक पंडितों को उनमें संभावनाएं दिख रही थीं कि विपक्षी नेताओं में केवल वही हैं, जो नरेन्द्र मोदी को चुनौती देकर भाजपा को केंद्र की सत्ता से बेदखल करने में सक्षम हैं। हालांकि इन दो महीनों में ही यह परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल गया है। बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को ऐसी हार का सामना करना पड़ा, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। चुनावी मुकाबले में अक्सर कांटे की टक्कर वाली बात कही जाती है, लेकिन बंगाल के नतीजे यही रेखांकित करने वाले रहे कि यह राजनीतिक लड़ाई कितनी एकतरफा थी।

चुनावी पराजय तो ममता बनर्जी के लिए एक तात्कालिक मायूसी रही, लेकिन नतीजों के बाद उन्हें एक के बाद एक ऐसे झटके लगे कि अब वे अपनी बनाई पार्टी को ही बचाने के संघर्ष से जूझ रही हैं। असम से लेकर गोवा तक विस्तार की कवायद में लगी पार्टी को बंगाल में ही बचाना भारी पड़ता दिख रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर मोदी को चुनौती देना तो छोड़िए, उन्हें अपनी

बची-खुची पार्टी के कांग्रेस में विलय की नसीहतें दी जा रही हैं। पूरे राजनीतिक जीवन में आक्रामक तेवरों की राजनीति से पहचान बनाने वाली ममता बनर्जी अभी असहाय दिख रही हैं। उनकी इस स्थिति में तमाम अन्य दलों विशेषकर क्षेत्रीय क्षत्रपों के लिए बहुत सबक छिपे हुए हैं।

देश की वर्तमान राजनीतिक स्थितियों की चर्चा करें तो भाजपा अभी सबसे मजबूत दल है। देश के जिन हिस्सों के बारे में कहा जाता था कि वहां कभी कमल नहीं खिल सकता, वहां भी भाजपा के पूर्ण बहुमत की सरकार है। इसके उलट अगर क्षेत्रीय दलों की बात करें तो वे अपनी ही समस्याओं से त्रस्त हैं। ऐसे अधिकांश दल मुख्य रूप से क्षेत्रीय अस्मिता, उपराष्ट्रवाद और एक करिश्माई नेतृत्व के बूते ही पनपते रहे हैं। क्षेत्रीय अस्मिताओं के मुद्दे एक सीमा तक ही प्रभावी या उपयोगी हो सकते हैं। कुछ क्षेत्रीय दलों के संस्थापक या तो अब इस दुनिया में नहीं रहे और कुछ वृद्धावस्था से जुड़ी समस्याओं से भी जूझ रहे हैं। इस कारण इन दलों में अक्सर राजनीतिक उत्तराधिकार और विरासत को लेकर तकरार से जुड़े समाचार भी रह-रहकर सामने आते रहते हैं। रही सही-कसर लंबे समय से सत्ता से दूरी पूरी कर देती है, जहां कार्यकर्ताओं और समर्थकों का इनसे मोहभंग हो जाता है। तृणमूल से पहले महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी इन्हीं स्थितियों से दो-चार हो चुकी हैं।

इन तमाम कसौटियों पर तृणमूल का मामला एक कदम और आगे दिखता है। ममता बनर्जी की अपनी राजनीति का ब्रांड तो सादगी पर आधारित रहा, लेकिन वे इसे अपनी पार्टी में कायम नहीं रख पाईं। वामपंथी शासन वाले बंगाल में पहले कांग्रेस और फिर अपनी पार्टी बनाकर सत्ता के लिए संघर्ष कर रहीं ममता को नंदीग्राम-सिंगुर आंदोलन ने सरकार बनाने की चाबी सौंपी। अब या तो इसे इस आंदोलन की ऊर्जा कहें या बंगाल की राजनीति का चरित्र कि उनकी पार्टी का पूरे राज्य पर वर्चस्व स्थापित हो गया। ममता बनर्जी ने अपने स्तर पर तो सबको साथ लेकर चलने का भाव दिखाया, लेकिन उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी धीरे-धीरे सरकार और संगठन में हावी होते गए। कई वरिष्ठ नेता इसे लेकर असहज तो रहते, लेकिन कहते कुछ नहीं थे। स्थानीय नेताओं को आलाकमान से मिली छूट ने भी तृणमूल का बेड़ा गर्क किया, क्योंकि दबंग प्रवृत्ति के इन नेताओं ने अपने क्षेत्रों को अपनी जागीर समझकर उसे उगाही का जरिया बना लिया था। आम जन के लगभग हर मामले में उनके दखल से जनता के मन में असंतोष एवं आक्रोश पनपने लगा, जिसकी अभिव्यक्ति इस समय राज्य के विभिन्न हिस्सों में देखने को भी मिल रही है।

स्पष्ट है कि जनता तृणमूल की सत्ता से विदाई की प्रतीक्षा कर रही थी कि समय आने पर वह उनको सबक सिखाएगी। यह इससे और स्पष्ट होता है कि हार तो अन्य राजनीतिक दलों के हिस्से में भी आती है, लेकिन हारने के बाद पार्टी के नेताओं को ऐसे विरोध का सामना नहीं करना पड़ता, जैसा तृणमूल के नेताओं को करना पड़ रहा है। यही कारण है कि राज्य से लेकर केंद्रीय स्तर के नेता तृणमूल या उसके शीर्ष नेतृत्व से अपना पीछा छुड़ाने को प्राथमिकता देते दिख रहे हैं। पार्टी के विधायकों से लेकर सांसद तक विभाजित हो गए हैं। अन्य दलों से तुलना करें तो उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी लंबे समय से सत्ता से बाहर हैं, लेकिन वहां कभी ऐसी भगदड़ देखने को नहीं मिली। बंगाल के पड़ोसी ओडिशा में तो नवीन पटनायक की बीजद बहुत लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन सत्ता से बेदखल होने के बाद भी राज्य में पार्टी के नेताओं को न तो ऐसे विरोध का सामना करना पड़ा और न ही वहां नेताओं में ऐसी भगदड़ देखी गई। हालिया चुनाव के बाद तमिलनाडु में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के धड़ों के बीच भी कुछ खटपट हुई, लेकिन कुछ ही समय में सब कुछ शांत भी हो गया।

इन परिस्थितियों का सार यही है कि राजनीतिक दलों विशेषकर क्षेत्रीय दलों को समय के साथ अपना रवैया सुधारना होगा। अब परिवार केंद्रित राजनीति की समीक्षा करनी होगी, क्योंकि जनता से लेकर कार्यकर्ताओं की कसौटी पर इसे निरंतर कसा जाएगा। करिश्माई नेताओं के भरोसे रहने वाली पार्टियों को समय के साथ उनके विकल्प भी तैयार करने होंगे। पार्टियों को केवल सत्ता के गोंद से नेताओं को चिपकाए रखने के बजाय वैचारिक घुट्टी पिलाने को भी प्राथमिकता देनी होगी। तृणमूल के पराभव में इसी पहलू की सबसे अहम भूमिका रही। वैसे तो ये समस्या क्षेत्रीय दलों तक ही सीमित नहीं है, क्योंकि कांग्रेस भी इन पहलुओं को लेकर कहीं ज्यादा परेशान है। वहीं, सत्तारूढ़ भाजपा को भी समझना होगा कि सत्ता का संकेंद्रण और कुछ चेहरों पर अतिशय निर्भरता दूरगामी भविष्य के लिए बहुत सकारात्मक नहीं होगी।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं सेंटर फार पालिसी रिसर्च में फेलो हैं)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

मेधावी बच्चों को सम्मानित करेगा 'इकरा'

भिलाई। अंचल के शिक्षा जगत से जुड़े लोगों के संगठन इकरा टीचर्स एसोसिएशन लगातार 16 वें वर्ष भी मेधावी बच्चों का सम्मान समारोह आयोजित करने जा रहा है। एसोसिएशन की ओर अजमतुल्लाह खान ने बताया कि वर्ष 2025 26 में दसवीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के बच्चों का जुलाई में आयोजित भव्य समारोह में सम्मान किया जाएगा। इसके लिए अभिभावक अपने बच्चों के मार्कशीट की छाया प्रति के पीछे मोबाइल नंबर के साथ जामा मस्जिद सेक्टर 6 के इमाम व मुअज्जिन के पास अथवा भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के कार्यालय में 7 जुलाई तक जमा करवा सकते हैं।

युवा राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति : मंत्री गजेंद्र यादव

दुर्ग। दुर्ग शहर विधानसभा के भाजपा महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के मंडल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मंत्री गजेंद्र यादव ने सेवा सदन में परिचयात्मक और संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान यादव ने युवाओं से संगठन को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने, शहर के विकास, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विभिन्न समसामयिक एवं राजनीतिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। युवाओं ने भी खुलकर अपने विचार, सुझाव और अनुभव साझा किए तथा विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाएं रखीं। मंत्री ने कहा कि दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के ऊर्जावान युवाओं के साथ संवाद का अवसर अत्यंत प्रेरणादायी रहा। उन्होंने कहा कि युवा समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति हैं। संवाद के दौरान युवाओं के सुझावों, अपेक्षाओं और प्रश्नों को गंभीरता से सुना तथा सरकार के कार्यों, नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए उनके प्रश्नों का उत्तर दिया।

क्रेस्ट द क्विज क्लब के रजत जयंती संकलन का ऑनलाइन विमोचन

भिलाई। बीएसपी के अफसरों-कर्मियों की पहल से बने ''क्रेस्ट द क्विज क्लब'' के रजत जयंती वर्ष पर 'सिल्वर जुबली एलमनाक' का ऑनलाइन विमोचन मुंबई से वी रवि ने किया। रवि क्लब के संस्थापक सदस्यों में रहे हैं। सूचना कोष का संकलन क्लब संयोजक सौरभ सिन्हा ने किया। सिन्हा ने बताया कि मास्टरमाइंड इंडिया क्विज की प्रारंभिक चयन परीक्षा के दौरान भिलाई के प्रतिभागियों को नियमित क्विजिंग मंच की जरूरत महसूस हुई, जिसके बाद 2001 में क्लब शुरू हुआ। स्टील क्लब, सेक्टर-8 में हर माह क्विज कार्यक्रम होते रहे और यह सिलसिला 2007 तक चला। सूचना कोष विमोचन में कई सदस्य ऑनलाइन जुड़े। विमोचन अवसर पर संस्थापक सदस्यों में ए देवदास, संजय कुमार अग्रवाल, अभय कुमार और जयश्री शामकुंवर के अलावा शालिनी चौरसिया, ऐमान अली व विकास पिपरानी आदि उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत, पहले दिन 81 प्रतिशत बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन दुर्ग जिले में उल्लेखनीय सफलता मिली। निर्धारित 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 81 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाया गया। अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोटियाकला में जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ।

अभियान के दौरान दुर्ग, भिलाई, पाटन, धमधा और निकुम सहित जिलेभर के पोलियो बूथों पर जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर लोगों को जागरूक किया। जिला कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने पूरे जिले में अभियान की सतत निगरानी की। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने बताया कि पहले दिन पालकों में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के प्रति उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली। जिला अस्पताल दुर्ग में जन्मे 9 नवजात शिशुओं के साथ ही सेक्टर-9 बीएसपी अस्पताल एवं निजी नर्सिंग होम में जन्मे नवजातों को भी पोलियो ड्रॉप पिलाई गई।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव ग्लैड विकासखंड निकुम, जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे विकासखंड पाटन क्षेत्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अभिषेक श्रीवास्तव ने विकासखंड धमधा एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं ने भ्रमण कर मॉनिटरिंग की। विकासखंड क्षेत्रों में खण्ड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा डॉ. देवेन्द्र बेलचंदन विकासखंड निकुम, डॉ. बी आर कठौतिया पाटन एवं डॉ. रचना अग्रवाल ने धमधा, डॉ. पीयाम सिंह ने शहरी भिलाई, टाउनशिप क्षेत्र व डॉ. चुनारकर ने शहरी दुर्ग में भ्रमण कर मानिटरिंग की। स्वास्थ्य विभाग की ट्रांजिट और मोबाइल टीमों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, टेम्पो स्टैंड, झुग्गी-बस्तियों, ईंट भट्ठों, फैक्ट्री क्षेत्रों तथा नदी किनारे की बस्तियों में पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 29 और 30 जून को घर-घर अभियान चलाकर घरों का भ्रमण किया जाएगा, ताकि पहले दिन बूथों तक नहीं पहुंच पाए सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाया जा सके।

भिलाई एक्सचेंज यार्ड में 2 नई लाइनें चालू, दो लाइनों की इंटरलॉकिंग पूर्ण

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बढ़ जाएगी माल परिवहन क्षमता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने माल परिवहन अवसंरचना को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के मार्गदर्शन में सिगनल एवं दूरसंचार प्रोजेक्ट यूनिट ने राइट्स (आरआईटीईएस) के सहयोग से भिलाई एक्सचेंज यार्ड में व्यापक सिगनलिंग एवं आधारभूत संरचना उन्नयन कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस परियोजना के अंतर्गत यार्ड में दो नई लाइनें चालू की गई हैं एवं दो अन्य लाइनों को इंटरलॉक किया गया है, जिन्हें आधुनिक सिगनलिंग प्रणाली तथा ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) से पूर्णत: सुसज्जित किया गया है।

भिलाई एक्सचेंज यार्ड में 2 नई लाइनों के चालू एवं दो अन्य लाइनों का इंटरलॉकिंग कार्य पूर्ण होने से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की माल ढुलाई क्षमता, परिचालन दक्षता तथा रोलिंग स्टॉक के रखरखाव में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह परियोजना रेलवे की आधुनिक, संरक्षित एवं तेज माल परिवहन प्रणाली विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उद्योगों एवं रेल कस्टमर को अधिक विश्वसनीय और दक्ष रेल माल परिवहन सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

महत्वपूर्ण एवं व्यस्त माल यार्डों में से एक

भिलाई एक्सचेंज यार्ड दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण एवं व्यस्त माल यार्डों में से एक है, जहां 544 रूट्स के विशाल नेटवर्क का संचालन होता है। इस उन्नयन के तहत यार्ड के रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) में आवश्यक संशोधन कर नई लाइनों एवं क्रॉसओवरों को आधुनिक प्रणाली से जोड़ा गया है। परियोजना के अंतर्गत एल्डाइन के मल्टी-सेक्शन डिजिटल एक्सेल काउंटर प्रणाली के 14 डिजिटल एक्सेल काउंटर स्थापित किए गए हैं तथा 5 क्रॉसओवरों को इंटरलॉक किया गया है, जिससे ट्रेनों की संरक्षित एवं निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

एंट्री-एग्जिट सिग्नलिंग सिस्टम से लैस

नई लाइनें अत्याधुनिक एंट्री-एग्जिट सिग्नलिंग सिस्टम एवं पूर्ण ओएचई सुविधा से सुसज्जित हैं, जिससे इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के माध्यम से निर्बाध शंटिंग संचालन संभव होगा तथा मालगाड़ियों के टर्नअराउंड समय में उल्लेखनीय कमी आएगी। इस परियोजना के अंतर्गत यार्ड में एंड अनलोडिंग रेक्स के निरीक्षण, मरम्मत एवं रखरखाव के लिए समर्पित सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। विशेष रूप से नई लाइनों ,लाइन संख्या 18 एवं 19 को रखरखाव कार्यों के लिए विकसित किया गया है। चौबीसों घंटे रखरखाव सुनिश्चित करने हेतु 6 हेवी-ड्यूटी वेल्डिंग प्लांट एवं 30 वेल्डिंग टर्मिनल स्थापित किए गए हैं, जिससे किसी भी स्थान पर खड़े वैगन पर तत्काल मरम्मत कार्य किया जा सकेगा।

सीधे रैक पर हो सकेगी मरम्मत

इस नई व्यवस्था से छोटी एवं मध्यम श्रेणी की मरम्मत अब सीधे रेक पर ही की जा सकेगी, जिससे अनावश्यक शंटिंग की आवश्यकता कम होगी और वैगनों की उपलब्धता बढ़ेगी। साथ ही, लाइनों के बीच विकसित चौड़े कंक्रीट पथ के माध्यम से भारी मशीनरी एवं सामग्री को सीधे रेक तक आसानी से पहुंचाया जा सकेगा, जिससे रखरखाव कार्य और अधिक तेज एवं प्रभावी होगा। इसके अतिरिक्त, अधिक यातायात अथवा परिचालन संबंधी आपात स्थिति के दौरान यार्ड में ही खराब (सिक) वैगनों को अलग रखकर उनकी मरम्मत करने की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे मुख्य लाइन पर परिचालन बाधित होने की संभावना कम होगी।

हाफ मैराथन में योगदान देने वाले कर्मी 'शाबाश अवार्ड' से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन के सफल आयोजन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले नॉन-वर्क्स एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के कुल 42 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 'शाबाश अवार्ड' (श्रेणी-1) से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की।

इसम्मानित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का संबंध चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क, मानव संसाधन, ज्ञानार्जन एवं विकास, टाउन सर्विसेज तथा स्पोर्ट्स, कल्चर एंड सिविक एमेनिटीज विभागों से था। इन सभी ने प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन के सफल आयोजन में विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक प्रभारी जेएन ठाकुर ने आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले सभी विभागों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि टीम भावना, आपसी सहयोग एवं प्रभावी समन्वय के कारण ही इस आयोजन का सफल संचालन संभव हो सका।

अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन का सफल आयोजन विभिन्न विभागों, श्रमिक संगठनों, ऑफिसर्स एसोसिएशन तथा सहयोगी एजेंसियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए आगामी वर्ष इस आयोजन को सफल बनाने के लिए इसी समर्पण एवं उत्साह के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक निशा बाउल द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ज़िक्र-ए-शोहदा-ए-करबला मदरसा दारुल राहत आलिमा के द्वारा फरीद नगर में 9 दिवसीय तकरीर का आयोजन सीरते जहरा कॉन्फ्रेंस में किया गया। यहां खास तौर पर बिहार से आलिमा फ़ज़िला चांदनी और अलिमा फ़ज़िला नीलोफर ने करबला के शहीदों का बयान किया। तकरीर के दौरान फरीद नगर और आसपास की महिलाएं बड़ी तादाद में जुटी। तकरीर के बाद सिटी हेल्थ केयर मेडिकल ने यहां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जहां प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पूजा सिंह ने अपनी निशुल्क सेवाएं दी। डॉ पूजा ने शिविर में निशुल्क जांच करते हुए महिलाओं को सामान्य जांच और माहवारी व गर्भावस्था से जुड़ी जरूरी जानकारी भी दी।

उन्होंने महिलाओं को खुद को स्वच्छ रखते हुए अपने घर-आंगन और मोहल्ले को भी साफ-सुथरा रखने की हिदायत दी। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संयोजक मोहम्मद सादिक ताजी ने बताया कि आगे भी यह सिलसिला अलग-अलग मौकों पर जारी रहेगा। इस दौरान कैम्प-1 साक्षरता चौक के सामने स्थित ताज दरबार नानी अम्मा की सदर हज्जन बदरुन्निसा ताजी ने सभी के लिए दुआएं की।

गीतकार भारतीय को अगासदिया ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हुडको स्थित अगासदिया परिवार ने वयोवृद्ध कवि मोहन भारतीय को स्मृति चिन्ह शाल देकर सम्मानित किया। अगासदिया परिवार के संयोजक डॉ. परदेशीराम वर्मा ने इस दौरान बताया कि देश भर में अपने गीतों के लिए चर्चित 88 वर्षीय प्रसिद्ध कवि मोहन भारतीय ने हमेशा भिलाई का गौरव बढ़ाया है। वे केन्द्रीय सिविल सेवा में सहायक निदेशक रहे और युवावस्था में मेकेनिकल इंजीनियर बनकर भिलाई आए। 1939 में आगरा में जन्में मोहन भारतीय आज भी साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय है।

नव आगमन मासिक के सम्पादक डॉ. परदेशीराम वर्मा ने कहा कि हमारी पीढ़ी जब लिखने का अभ्यास कर रही थी, तब मोहन भारतीय स्थापित कवि के रूप में देश भर में चर्चित थे। वह दौर दानेश्वर शर्मा, रमाशंकर तिवारी डॉ. मनराखन लाल साहू रवि श्रीवास्तव और संतोष झांझी का दौर था जिसमें चमकते सितारे मोहन भारतीय थे । उन्होंने अपार यश प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि नव आगमन के जून अंक का विमोचन इस दौरान किया गया। इस अंक में कवि कमलेश चंद्राकर, शायर अब्दुल कलाम के साथ मोहन भारतीय एवं संपादक मंडल का विशेष सहयोग रहा। इस अंक में धमतरी के चर्चित कवि भगवती सेन एवं दुर्ग के पुरानी पीढ़ी के बहुत सम्मानित कवि और संपादक पतिराम साव सहित धमतरी के डूमन लाल ध्रुव, कमलेश चंद्राकर, हेमंत मढ़रिया की रचनाएं सम्मिलित है। राज्य सम्मान प्राप्त कृषि पंडित सुखराम वर्मा को भी अंक में याद किया गया है। संपादकीय सहयोगी अब्दुल कलाम, महेश वर्मा, राजेन्द्र साहू, नीतीश वर्मा तथा महंत अंतराम समाजसेवी रामसेवक वर्मा और मोहन भारतीय का परिवार विमोचन समारोह में उपस्थित रहा।

बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर -7 में काव्य पाठ एवं संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन

स्वामी विवेकानंद से सुषमा स्वराज तक की भाषण शैली हुई जीवंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 7 में शनिवार 27 जून को काव्य पाठ एवं संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी.एस.पी के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी। विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ व्याख्याता लक्ष्मी नारायण दुबे ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात हिंदी काव्य पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 और भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के विद्यार्थियों ने काव्य पाठ किया। काव्य पाठ के पश्चात संभाषण प्रतियोगिता में सीनियर सेकेंडरी स्कूल से 07 के छात्र आयुष्मान सिंह ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म सम्मेलन के व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण दिया। एक अन्य छात्र ने पूर्व सांसद सुषमा स्वराज के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संसद में दिए भाषण को उसी शैली में प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता के निर्णायकगणों में बीएसपी के उप महाप्रबंधक (रावघाट) एवं कवि व लेखक यशवंत कुमार साहू ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने प्रस्तुतीकरण को और बेहतर करने प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दूसरे निर्णायक लेखक व पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन ने विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाक्रम और इतिहासबोध के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

अंत में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती उर्वशी साहू ने परिणामों की घोषणा की। जिसमें हिन्दी काव्य पाठ में प्रथम सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 से दिशा शुक्ला, द्वितीय भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से आर्या पाण्डेय और तृतीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-07 से डीबी द्राक्षा रही। इसी तरह हिन्दी अनुवाचन में प्रथम भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से रिया, द्वितीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 से आराध्या गुप्ता और तृतीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-07 से आयुष्मान रहे। समूचे कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक डॉ. शीतल चंद्र शर्मा ने किया। आयोजन में वरिष्ठ व्याख्याता अनीता अशोक, नमिता देशपाण्डेय, शीबा थॉमस, श्रीदेवी दुर्गे, जयंत, पूजा उइके और जयदेव दीक्षित सहित शिक्षक गण उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शर्मा ने दिया।

सेल के 'ज्ञान उत्सव 2026' में भिलाई इस्पात संयंत्र को प्रथम उपविजेता सम्मान

भिलाई। इस्पात संयंत्र (बीएसपी) ने मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई), रांची द्वारा 23 से 25 जून 2026 तक आयोजित 'ज्ञान उत्सव : एचआर लर्निंग एंड डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 2.0' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 'बेस्ट प्रैक्टिसेज इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट इन सेल' श्रेणी में प्रथम उपविजेता (फर्स्ट रनरअप) का सम्मान प्राप्त किया। इसके साथ ही बीएसपी को संगठनात्मक, विभागीय एवं व्यक्तिगत श्रेणियों में भी अनेक सम्मान प्राप्त हुए। भिलाई इस्पात संयंत्र की ओर से 'बेस्ट इनोवेटिव प्रैक्टिसेज इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट' का पुरस्कार महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक नीरजा शर्मा, सुष्मिता पाटला तथा सहायक महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिन्हा ने प्राप्त किया। यह उपलब्धि संयंत्र में डिजिटल लर्निंग तथा कौशल संवर्धन को प्रोत्साहित करने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 7 जुलाई तक बढ़ी

रायपुर। तकनीकी शिक्षा को सुशासन और नवाचार से जोड़ने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप 2026 के अंतर्गत एम.टेक. (डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 जुलाई 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 1 जुलाई निर्धारित थी। यह कार्यक्रम नवा रायपुर स्थित आईआईआईटी- एनआर में संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को प्रतिमाह 50,000 की फेलोशिप प्रदान की जाएगी। साथ ही उनकी ट्यूशन फीस का संपूर्ण व्यय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वहन किया जाएगा। मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप कार्यक्रम की विशेषता यह है कि विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ राज्य शासन के विभिन्न विभागों में वास्तविक परियोजनाओं प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। इससे प्रतिभाशाली युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डाटा साइंस के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा तथा शासन की डिजिटल सेवाओं और नवाचार आधारित पहलों में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा।

तिलहन उत्पादन बढ़ाने की दिशा में सशक्त पहल

रायपुर। किसानों की आय बढ़ाने, तिलहनी फसलों के उत्पादन में वृद्धि करने और देश को खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार एवं कृषि विभाग द्वारा लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जीपीएम जिले के पेंड्रा विकासखंड के ग्राम कोटमीकला में भारत सरकार की राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ) योजना के अंतर्गत चयनित किसानों को उन्नत किस्म के मूंगफली बीज वितरित किए गए। यह पहल किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने तथा कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को अधिक सशक्त, आधुनिक और लाभकारी बनाने के लिए अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। कृषि विभाग किसानों तक उन्नत बीज, आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सलाह और शासकीय योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 दूरस्थ अंचलों के लिए बनी बड़ी उम्मीद

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई सीएम हेल्पलाइन 1076 प्रदेशवासियों के लिए प्रभावी जनसमस्या समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। विशेष रूप से दूरस्थ अंचल तक इस व्यवस्था की पहुंच ने यह साबित कर दिया है कि अब शासन आमजन के द्वार तक पहुंच रहा है और उनकी समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। ऐसा ही एक उदाहरण सुकमा जिले के जनपद पंचायत छिंदगढ़ से सामने आया है। ग्राम भोपावाड़ा निवासी जोगा हिरमा ने प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण) की दूसरी किस्त का भुगतान लंबित होने संबंधी शिकायत सीएम हेल्पलाइन 1076 में दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने मामले का परीक्षण किया। जांच में पाया गया कि हितग्राही का आवास निर्धारित स्तर तक पूर्ण हो चुका है।

मन की बात बना जनसंवाद और जनप्रेरणा का सशक्त मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की सहभागिता रही। सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी की भावना को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों से प्रधानमंत्री का आत्मीय संवाद है। यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच, जनभागीदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की भावना को निरंतर सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे प्रेरणादायी प्रयासों, नवाचारों, जनसेवा के उत्कृष्ट कार्यों तथा सामान्य नागरिकों की असाधारण उपलब्धियों को सामने लाकर पूरे देश को प्रेरित करते हैं।

श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी विचार प्रत्येक नागरिक को समाजहित और राष्ट्रहित में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। 'मन की बात' के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, युवा नवाचार, आत्मनिर्भर भारत, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन तथा जनकल्याण से जुड़े अनेक विषयों पर सकारात्मक संदेश पूरे देश तक पहुंचते हैं। इससे समाज में जागरूकता बढ़ती है और आमजन विकास यात्रा के सहभागी बनते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। प्रधानमंत्री का यह संवाद समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रेरणा देने के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध को भी मजबूत करता है। कार्यक्रम के समापन पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन देश के विकास, सामाजिक समरसता, जनकल्याण तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में छत्तीसगढ़ बना देश का अग्रणी राज्य

विशेष अभियान के मात्र 9 दिनों में 72 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण, जांजगीर-चांपा प्रदेश में अव्वल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पंजीयन के लिए 15 जून से 15 जुलाई तक संचालित विशेष अभियान में छत्तीसगढ़ ने ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य ने अभियान के शुरुआती मात्र 9 दिनों में ही निर्धारित लक्ष्य का 72 प्रतिशत पूरा कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रदेश ने न केवल हितग्राहियों के पंजीयन में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है, बल्कि प्री-रजिस्टर्ड हितग्राहियों के निराकरण में भी सभी राज्यों को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक उपलब्धि अर्जित की है। यह उपलब्धि महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पर्यवेक्षकों, मैदानी अमले तथा सभी संबंधित हितधारकों के समन्वित और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। विशेष अभियान के अंतर्गत जिला जांजगीर-चांपा ने 96 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के साथ पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि मातृ एवं शिशु कल्याण के प्रति जिले की संवेदनशीलता, सक्रियता और प्रभावी कार्यप्रणाली को प्रतिबिंबित करती है।

मातृ वंदना योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण मातृ कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षित मातृत्व के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। योजना के तहत प्रथम जीवित संतान के जन्म पर पात्र महिलाओं को 5,000 रूपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है, जबकि दूसरी संतान के रूप में बालिका के जन्म पर 6,000 रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। यह योजना महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने तथा शिशुओं के बेहतर पोषण और समग्र विकास सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिला एवं बाल विकास विभाग की पूरी टीम, मैदानी अमले और सभी सहयोगी संस्थाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व प्रदान करने के साथ-साथ शिशुओं के स्वस्थ भविष्य की मजबूत आधारशिला तैयार कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ आगामी दिनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर देश के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरेगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सभी हितधारकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रतिबद्धता, सतत निगरानी और जनकल्याण के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक पात्र गर्भवती एवं शिशुवती माता प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ प्राप्त कर सके। उन्होंने प्रदेश की सभी पात्र महिलाओं से अपील की कि वे 15 जुलाई तक संचालित विशेष अभियान का लाभ उठाते हुए अपना पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि मातृत्व के इस महत्वपूर्ण चरण में उन्हें शासन की योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

नारायणपुर में सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने नारायणपुर प्रवास के दौरान सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर वहां संचालित सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से महिलाओं और बालिकाओं को समयबद्ध, संवेदनशील एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मंत्री राजवाड़े ने परामर्श, चिकित्सा, विधिक सहायता, अस्थायी आश्रय एवं पुनर्वास संबंधी सुविधाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा पीड़ित महिलाओं को त्वरित राहत, सुरक्षा और न्याय दिलाने के लिए विभागीय समन्वय को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समय पर पहचान और निःशुल्क उपचार से आरुष को मिली स्वस्थ जीवन की नई मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा और संबल का माध्यम बनकर उभर रहा है। समय पर पहचान, विशेषज्ञ उपचार और नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से कार्यक्रम अनेक बच्चों को बेहतर और स्वस्थ जीवन प्रदान कर रहा है। इसी पहल के तहत बलरामपुर जिला के कटे होंठ (क्लेफ्ट लिप) की समस्या से जूझ रहे छह माह के मासूम आरुष कुमार यादव को नई जिंदगी की सौगात मिली है।

बलरामपुर जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच कर जन्मजात विकारों, बीमारियों, पोषण संबंधी कमियों एवं विकासात्मक समस्याओं की समय पर पहचान कर उन्हें उच्च संस्थानों में नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। वाड्रफनगर विकासखंड के जनकपुर निवासी आरुष कुमार यादव जन्म से कटे होंठ की समस्या से पीड़ित था, जिससे उसे दूध पीने में कठिनाई होती थी। परिवार की आर्थिक स्थिति महंगा उपचार कराने की अनुमति नहीं देती थी। ऐसे समय में आरबीएसके टीम ने नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान आरुष की पहचान की और आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उसे रायपुर स्थित श्री मेडिसिन हॉस्पिटल में नि:शुल्क उपचार के लिए भेजा गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख और आरबीएसके टीम के समन्वय से आरुष का सफल क्लेफ्ट लिप ऑपरेशन किया गया। उपचार के बाद बच्चे के स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है और परिवार के चेहरे पर चिंता की जगह संतोष और खुशी दिखाई दे रही है।

आरुष के पिता अखिलेश यादव ने भावुक होकर कहा कि शासन और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से उनके बच्चे का इलाज संभव हो सका। उन्होंने जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं आरबीएसके टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिले उपचार ने उनके बेटे को नया जीवन और पूरे परिवार को नई उम्मीद दी है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए वरदान साबित हो रहा है। यह योजना ऐसे बच्चों को समय पर उपचार उपलब्ध कराकर न केवल उनके स्वास्थ्य में सुधार ला रही है, बल्कि परिवारों के जीवन में भी नई खुशियां और विश्वास का संचार कर रही है।

जनभागीदारी और जनप्रेरणा का सशक्त माध्यम बना 'मन की बात'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 135वीं कड़ी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ सुनी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' आज जनता और नेतृत्व के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार देशवासियों को प्रेरित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक कड़ी में देशभर से नवाचार, जनभागीदारी और प्रेरणादायी प्रयासों को सामने लाते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक कार्यों को नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' की अनेक कड़ियों में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और उपलब्धियों का उल्लेख होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी गणेशोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से निर्मित भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला तथा वर्षा जल के प्रत्येक बूंद के संरक्षण का संदेश देते हुए जल संचय को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मेघालय के जीवित रूट ब्रिज का उल्लेख करते हुए प्रकृति और मानव के अद्भुत समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विज्ञान, तर्क और जागरूकता के माध्यम से समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। असम की महिलाओं द्वारा 'हरगिला आर्मी' के माध्यम से दुर्लभ पक्षी हरगिला के संरक्षण और उससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास जनजागरूकता का प्रेरक उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागालैंड में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संचालित नागालैंड बेबी लीग और नागालैंड वुमन फुटसाल लीग जैसी पहलों का उल्लेख किया। साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय एवं सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ाने के प्रयासों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि डोमिनिकन रिपब्लिक में 'ब्रह्मकमल डोमिनिकाना' के सदस्य वैदिक साहित्य का अध्ययन कर भारतीय संस्कृति से जुड़ रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा की महिलाओं द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट से सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाने की पहल स्वच्छता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, विधायक गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सच्चिदानंद उपासने, अखिलेश सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य और अध्यक्ष नीलू शर्मा ने प्रमुख पर्यटन स्थल राजमेरगढ़ का किया दौरा

प्राकृतिक धरोहरों को बताया पर्यटन संवर्धन की सशक्त आधारशिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य एवं अध्यक्ष नीलू शर्मा ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के प्रवास के दौरान जिले की पर्यटन संभावनाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर उनका आत्मीय स्वागत किया गया तथा जिले की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को समेटे जीपीएम पर्यटन कॉफी टेबल बुक भेंट कर जिले की पर्यटन उपलब्धियों और संभावनाओं से अवगत कराया गया।

भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने जिले में पर्यटन संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों के विकास, पर्यटकों के लिए विकसित की गई सुविधाओं तथा स्थानीय समुदाय की सहभागिता पर आधारित पर्यटन मॉडल की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। अधिकारियों ने बताया कि जिले के पर्यटन स्थलों को स्थानीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आजीविका से जोड़कर विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को नई दिशा मिल रही है। प्रबंध संचालक विवेक आचार्य एवं अध्यक्ष नीलू शर्मा ने जीपीएम जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल राजमेरगढ़ का भ्रमण किया।

उन्होंने पर्यटन समितियों द्वारा संचालित गतिविधियों, पर्यटकों के लिए उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, प्राकृतिक सौंदर्य के संरक्षण तथा स्थानीय स्तर पर किए जा रहे नवाचारों का अवलोकन किया। इस दौरान स्थानीय पर्यटन समितियों के प्रतिनिधियों ने बताया कि जनसहभागिता के माध्यम से पर्यटन को रोजगार, स्वरोजगार और स्थानीय आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बनाया जा रहा है। भ्रमण के दौरान पर्यटन समितियों ने स्थानीय युवाओं की भागीदारी, पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन स्थलों के सुव्यवस्थित प्रबंधन, आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्थानीय संस्कृति के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी साझा की। अधिकारियों ने इन पहलों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यटन के विकास में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है और ऐसे प्रयास अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायी हैं।

प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने कहा कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है। यहां पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाएं हैं, जिन्हें स्थानीय लोगों की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से प्रभावी रूप से विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता आधारित पर्यटन मॉडल न केवल पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान करता है, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी सृजित करता है।

उन्होंने जिले में पर्यटन संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पर्यटन समितियां जिस समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रही हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने समितियों से भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण, पर्यटक-अनुकूल, स्वच्छ, सुरक्षित एवं जनसहभागिता आधारित गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया, ताकि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही राज्य के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में अपनी अलग पहचान स्थापित कर सके।

उर्वशी पर चढ़ा फुटबॉल वर्ल्ड कप का बुखार

जमकर किया डांस, जानें किसको कर रही हैं सपोर्ट?

उर्वशी रौतेला भी फुटबॉल गेम की बड़ी फैन नजर आती हैं। फीफा वर्ल्ड में अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को सपोर्ट करते हुए, उन्होंने एक डांस वीडियो पोस्ट किया है।

इन दिनों देश और दुनिया भर के फुटबॉल फैंस खुशी से झूम रहे हैं। फीफा वर्ल्ड का खुमार उनके सिर चढ़कर बोल रहा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला भी फीफा वर्ल्ड कप के रंग में रंग गई है। एक्ट्रेस ने डांस वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों को अपना सपोर्ट दिखा रही हैं।

इस फुटबॉलर की दीवानी बनीं उर्वशी रौतेला?

उर्वशी ने रविवार को एक डांस वीडियो पोस्ट किया, इसमें वह कई चर्चित फुटबॉलर के सिग्नेचर स्टेप्स को डांस फॉर्म में कर रही हैं। जहां तक सपोर्ट की बात है तो उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'यूआर7 (उर्वशी रौतेला) की तरफ से रोनाल्डो यूआर7 के लिए।' इस तरह उर्वशी ने बता दिया कि उनके पसंदीदा फुटबॉल प्लेयर क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं। उनका जर्सी नंबर 7 हैं।

कब होगा फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला?

फीफा विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। फैंस अपनी पसंदीदा टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं। बता दें कि फीफा वर्ल्ड कप का प्री-क्वार्टर फाइनल यानी राउंड ऑफ 16 के बाद क्वार्टर फाइनल होगा। इसके बाद सेमीफाइनल और 19 जुलाई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। फुटबॉल फैंस को इस दिन का बेसब्री से इंतजार है।

उर्वशी करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

उर्वशी रौतेला पिछले दिनों कान फेस्टिवल में अपने अलग-अलग लुक के लिए चर्चा में रहीं। इसके अलावा रणदीप हुड्डा स्टारर सीरीज में वह उनकी पत्नी के रोल में नजर आईं। इन दिनों वह फिल्म 'कसूर 2' की शूटिंग भी कर रही हैं।

कैसे हुई ऐश्वर्या और रानी की दोस्ती?

फिल्म की वजह से आई दरार, 45 दिनों तक साथ में किया सफर

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने रानी मुखर्जी के साथ अपनी दोस्ती के बारे में बात की थी। जैने कैसे और कब दोनों की दोस्ती हुई थी और कैसे आई दोस्ती में दरार?

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्रियां ऐश्वर्या राय और रानी मुखर्जी एक समय पर बहुत अच्छी दोस्त हुआ करती थीं। लेकिन क्या आपको पता है उनकी दोस्ती कब और कैसे हुई थी।

कैसे शुरू हुई दोनों की दोस्ती?

शो 'जीना इसी का नाम है' के एक पुराने इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने बताया था कि एक इंटरनेशनल वर्ल्ड टूर के दौरान दोनों की दोस्ती बहुत गहरी हो गई थी। वे दोनों लगभग 45 दिनों तक साथ में सफर कर रही थीं, स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं और उनके परिवार भी साथ थे।

ऐश्वर्या ने कहा था कि रानी बहुत ही मिलनसार और सहज स्वभाव की हैं। उन्होंने इस बात को भी गलत बताया था कि एक ही इंडस्ट्री में काम करने वाली दो अभिनेत्रियां कभी दोस्त नहीं हो सकतीं।

रानी मुखर्जी का प्यारा संदेश

शो 'जीना इसी का नाम है' में रानी मुखर्जी खराब तबीयत के कारण नहीं पहुंची थीं, लेकिन उन्होंने ऐश्वर्या के लिए एक बहुत ही प्यारा वीडियो मैसेज भेजा था। इस वीडियो में रानी ने कहा, 'ऐश, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और तुम मेरे लिए बहुत मायने रखती हो। मुझे टीवी पर यह बात सबके सामने कहनी पड़ रही है, लेकिन मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि हम हमेशा दोस्त रहेंगे।'

दोस्ती में क्यों आई दरार?

रानी और ऐश्वर्या की दोस्ती ज्यादा दिनों तक नहीं टिक सकी। साल 2003 में आई फिल्म 'चलते चलते' के दौरान दोनों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई थी। दरअसल, इस फिल्म में पहले शाहरुख खान के साथ ऐश्वर्या राय को लिया गया था। लेकिन बाद में किसी कारण से ऐश्वर्या की जगह रानी मुखर्जी को फिल्म में रख लिया गया। इस बात से दोनों के बीच दूरियां बढ़ गईं और एक समय की यह पक्की दोस्ती, बॉलीवुड की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली अनबन में बदल गई।

इंडियन हो या वेस्टर्न, हर लुक में बला की खूबसूरत लगती हैं कैरी ऑन जट्टा 4 एक्ट्रेस सरगुन मेहता

सरगुन मेहता इन दिनों फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी ये कॉमेडी फिल्म फाइनली 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों से बढिया़ रिस्पॉन्स मिल रहा है और उम्मीद है कि ये बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग करने वाली है। सरगुन मेहता फिल्मों के साथ-साथ अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश अंदाज को लेकर भी लगातार चर्चा में रहती हैं।

पॉपुलर कॉमेडी फ्रैंचाइजी कैरी ऑन जट्टा 4 में सरगुन मेहता लीड रोल में हैं। वो फिल्म में प्रीत नाम की लड़की का रोल निभा रही हैं। इसमें उनकी जोड़ी गिप्पी ग्रेवाल के साथ बनी है। दोनों की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। सरगुन मेहता ने कैरी ऑन जट्टा फ्रैंचाइजी में पहली बार एंट्री की है। इससे पहले इस फ्रैंचाइजी की फिल्मों में सोनम बाजवा और माहिरा शर्मा जैसी हसीनाएं नजर आई थीं। फिल्म में सरगुन की एक्टिंग दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। फिल्मों में दमदार एक्टिंग के साथ-साथ सरगुन मेहता अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। उनका हर लुक सोशल मीडिया पर छा जाता है। फैंस उनकी खूबसूरती पर दिल हार बैठते हैं। चाहे ट्रेडिशनल साड़ी हो, एलिगेंट सूट, ग्लैमरस गाउन या फिर कैजुअल वेस्टर्न आउटफिट, पंजाबी क्वीन हर लुक को बेहद खूबसूरती और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं। सोशल मीडिया पर सरगुन की तस्वीरें छाई रहती हैं। फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। एथनिक आउटफिट में सरगुन की खूबसूरती देखते ही बनती है। साड़ी, लहंगा और अनारकली सूट में उनका एलिगेंट अंदाज फैंस को खूब पसंद आता है। वहीं, वेस्टर्न आउटफिट्स में भी वो अपने ग्लैमरस और मॉडर्न स्टाइल से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। मिनिमल मेकअप, स्टाइलिश हेयरस्टाइल और परफेक्ट एक्सेसरीज के साथ सरगुन हर बार अपने लुक को खास बना देती हैं। फैशन के साथ-साथ सरगुन की स्माइल और कॉन्फिडेंस भी उनके हर लुक में चार चांद लगा देते हैं. सरगुन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 9.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उनके हर नए लुक का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। सरगुन भी अपने चाहने वालों को निराश नहीं करतीं और अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

'काश मुझे मारा न होता', विक्रांत मैसी ने 'मिर्जापुर' से बाहर होने पर जताया दुख

कहा- शो 85% पुरुषों का समूह था.....

विक्रांत मैसी जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में नजर आएंगे। हालांकि, इस बीच विक्रांत मैसी ने हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को लेकर बात की, जो अब 'मिर्जापुरः द मूवी' के नाम से फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर लौट रही है। लेकिन वेब सीरीज के पहले सीजन का हिस्सा रहे विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच विक्रांत ने 'मिर्जापुर' के पहले सीजन में ही अपने किरदार बबलू पंडित के मर जाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि काश मेकर्स उन्होंने मुझे मारा न होता।

मिर्जापुर सिर्फ पुरुषों का एक समूह था, जिनमें मेल ईगो था

जब 'मिर्जापुरः द मूवी' की घोषणा हुई थी तो फैंस को उम्मीद थी कि बबलू पंडित के किरदार में विक्रांत मैसी की फिल्म में वापसी होगी। लेकिन जब फिल्म का टीजर जारी हुआ तो ये साफ हो गया कि विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार फिल्म में बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे।

उन्होंने बताया कि कैसे इसमें ज्यादातर पुरुष कास्ट और क्रू थे, जो उनके अनुसार पितृसत्ता और मेल ईगो में डूबे हुए थे। उन्होंने कहा कि जब 'मिर्जापुर' मेरे पास आया, तो असल में यह बस कुछ उत्साही लोगों का एक साथ आना था।

इसमें कई शानदार महिलाएं भी शामिल थीं, लेकिन मुख्य रूप से शो में मान लीजिए लगभग 85% पुरुष शामिल थे। कैमरे के आगे और पीछे दोनों जगह। यह बस लोगों का एक समूह था जो एक साथ आए और कहा, 'चलो यह शो बनाते हैं।' तो यह बस कुछ लोगों का एक साथ आना, बाहर निकलना और अपने टेस्टोस्टेरोन, अपने मेल ईगो या पितृसत्ता - अगर आप ऐसा कहें को जाहिर करना था।

'मिर्जापुर' के पहले सीजन का हिस्सा थे विक्रांत

इस सीरीज में विक्रांत मैसी ने अली फजल के किरदार गुड्डू पंडित के भाई बबलू पंडित का किरदार निभाया था। उनके किरदार ने कहानी में गंभीरता और समझदारी भरी सोच जोड़ी। वह गुड्डू पंडित के लिए रणनीतिक दिमाग का काम करते थे।

पहले सीजन में बबलू पंडित की मौत ही वह घटना थी, जिसने कॉलेज जाने वाले गुड्डू पंडित और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बीच जबरदस्त दुश्मनी को जन्म दिया। 2018 में रिलीज होने के बाद इस शो को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली और तब से इसके तीन सफल सीजन आ चुके हैं।

'मिर्जापुरः द मूवी' में वापस लौट रहे मर चुके किरदार

शो के बाद अब 'मिर्जापुर' एक फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर आ रहा है। 'मिर्जापुरः द मूवी' की कहानी 2018 पर आधारित है, इसलिए इसमें पहले के सीजन में मारे गए कई पसंदीदा किरदार वापस आ रहे हैं। श्रिया पिलगांवकर द्वारा निभाया गया स्वीटी गुप्ता का किरदार, जिनकी मौत सीजन 1 में मैसी के बबलू पंडित के साथ हुई थी, फिल्म में फिर से नजर आएगा।

दिव्येंदु का मुन्ना भाई का किरदार, जिसकी मौत सीजन 2 के आखिर में हुई थी, वह भी फिल्म में फिर से वापस आ रहा है। फिल्म में विक्रांत मैसी का बबलू पंडित का किरदार भी वापस आ रहा है। लेकिन इसे फिल्म में विक्रांत की जगह जितेंद्र कुमार निभा रहे हैं। 'मिर्जापुरः द मूवी' 4 सितंबर को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुंहासे हैं तो हो जाएं सावधान!

इन 5 संकेतों से समझें कि त्वचा को चाहिए इलाज

मुंहासों की समस्या आजकल हर उम्र के लोगों में देखने को मिल रही है। गलत खान-पान, हार्मोनल असंतुलन, तनाव और प्रदूषण जैसे कई कारणों से मुंहासे हो सकते हैं। हालांकि, क्या आपको पता है कि मुंहासे भी एक संकेत हो सकते हैं कि आपकी त्वचा को डॉक्टर की जरूरत है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो यह बताते हैं कि आपको अपने मुंहासों का इलाज डॉक्टर से करवाना चाहिए।

अगर मुंहासों में दर्द हो तो डॉक्टर से संपर्क करें

अगर आपके मुंहासों में दर्द हो रहा है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। आमतौर पर मुंहासे हल्के होते हैं और इनमें दर्द नहीं होता। अगर मुंहासे दर्द करने लगें तो यह संकेत हो सकता है कि वे गहरे स्तर पर संक्रमित हो गए हैं या इनमें मवाद भर गया है। ऐसे में घरेलू नुस्खे आजमाने की बजाय डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही समय पर सही इलाज मिल सके और समस्या का समाधान हो सके।

मुंहासों का बढ़ना

अगर आपके मुंहासे बढ़ रहे हैं या बार-बार नए मुंहासे हो रहे हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। घरेलू उपायों से कभी-कभी कुछ समय के लिए राहत मिल सकती है, लेकिन अगर समस्या बढ़ रही है तो डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। डॉक्टर सही सलाह देकर आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं और आपको सही उपचार मिल सकता है।

मुंहासों का ठीक न होना

अगर आप कुछ हफ्तों से घरेलू उपाय अपना रहे हैं, फिर भी आपके मुंहासे ठीक नहीं हो रहे हैं तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। घरेलू उपाय कभी-कभी असरदार होते हैं, लेकिन हमेशा नहीं। अगर आपकी समस्या बनी रहती है या बढ़ती जा रही है तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होगा। इससे आपको सही उपचार मिल सकता है और समस्या का समाधान हो सकता है। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

दाग-धब्बों का बनना

अगर आपके मुंहासों के निशान या दाग-धब्बे बन रहे हैं तो भी डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। इन दाग-धब्बों को ठीक करने के लिए विशेषज्ञ की मदद लेना बेहतर होता है। इससे आपकी त्वचा को सही उपचार मिल सकता है और दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। डॉक्टर सही सलाह देकर आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं और आपको सही उपचार मिल सकता है। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है सावधानी बरतना

गर्भवती महिलाएं खासतौर पर सावधानी बरतें क्योंकि गर्भावस्था के दौरान हार्मोनल बदलाव होते रहते हैं, जिससे मुंहासों की समस्या बढ़ सकती है। इस स्थिति में घरेलू उपायों पर निर्भर रहना सही नहीं होगा। डॉक्टर से संपर्क करके ही सही इलाज करवाना चाहिए ताकि मां और बच्चे दोनों स्वस्थ रहें। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते और किसी भी समस्या का सही समाधान पा सकते।

खास खबर

छात्राओं को मिली आधुनिक शैक्षणिक अधोसंरचना की सौगात

धमतरी। धमतरी जिले के कुरुद स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए बेहतर शैक्षणिक एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ी। विद्यालय परिसर में नव-निर्मित 8 आधुनिक कक्षों एवं शौचालय परिसर का लोकार्पण मुख्य अतिथि कुरुद विधायक अजय चंद्राकर ने ने किया। यह निर्माण कार्य राउण्ड टेबल इंडिया के सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत रायपुर कैपिटल राउण्ड टेबल 241 द्वारा कराया गया। परियोजना का शुभारंभ दिसंबर 2024 में हुआ था तथा निर्धारित समयावधि में निर्माण कार्य पूर्ण कर जून 2026 में इसे विद्यालय प्रशासन को विधिवत हस्तांतरित कर दिया गया। इस अवसर पर विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बेहतर अधोसंरचना अत्यंत आवश्यक है। नवीन कक्षों एवं स्वच्छ शौचालय सुविधाओं के निर्माण से छात्राओं को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं प्रेरणादायी शिक्षण वातावरण मिलेगा, जिससे उनकी नियमित उपस्थिति एवं शैक्षणिक उपलब्धियों में सकारात्मक वृद्धि होगी।

सुकमा में ग्रामीण विकास को मिलेगी रफ्तार

सुकमा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के तहत, वर्ष 2026-27 के लिए त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को मूलभूत कार्यों हेतु अनुदान की प्रथम किस्त (40 प्रतिशत राशि) जारी कर दी गई है। पंचायत संचालनालय, नवा रायपुर अटल नगर से प्राप्त स्वीकृति के बाद जिले की कुल 160 ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों के लिए कुल 2,11,64,000 (दो करोड़ ग्यारह लाख चौंसठ हजार रुपये) की राशि आबंटित की गई है, जिससे सुदूर वनांचल क्षेत्रों में सामुदायिक विकास को नई गति मिलेगी। इस वित्तीय आबंटन का निर्धारण वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार ग्रामीण जनसंख्या और पेसा क्षेत्रों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

जशपुर में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

रायपुर। विधायक रायमुनी भगत ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया अभियान का आगाज़जशपुर जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ आज जिला चिकित्सालय जशपुर से किया गया। विधायक रायमुनी भगत ने नवजात बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि एक भी बच्चा छूटा, सुरक्षा चक्र टूटा के संदेश को आत्मसात करते हुए 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा, सिविल सर्जन डॉ. कपिल कश्यप, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हर बच्चे तक पहुंचे पोलियो की सुरक्षा का कवचः मंत्री राजेश अग्रवाल ने पिलाई जीवनरक्षक खुराक

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का लखनपुर से शुभारंभ, अभिभावकों से किया आह्वानः 'दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत बरकरार'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में चल रहे राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर जिले के लखनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है। पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक अभियान में हर बच्चे को समय पर पोलियो की खुराक पिलाना अत्यंत आवश्यक है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि भारत ने वर्षों के सतत प्रयास, जनभागीदारी और स्वास्थ्यकर्मियों की अथक मेहनत से पोलियो पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। अब इस उपलब्धि को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने परिवार, मोहल्ले और आसपास के 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत बरकरार केवल एक संदेश नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को आजीवन स्वस्थ रखने का राष्ट्रीय संकल्प है। यदि कोई बच्चा बूथ तक नहीं पहुंच पाता है तो अभिभावक घर-घर आने वाली स्वास्थ्य विभाग की टीम को अवश्य जानकारी दें और सुनिश्चित करें कि बच्चे को पोलियो की खुराक मिल जाए। राजेश अग्रवाल ने स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों, आशा कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके समर्पित प्रयासों से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता और जागरूकता के बल पर छत्तीसगढ़ भविष्य में भी अपनी पोलियोमुक्त पहचान को सुदृढ़ बनाए रखेगा।

उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। स्वस्थ बचपन ही सशक्त भारत की आधारशिला है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास किसी भी बच्चे को पोलियो की खुराक से वंचित न रहने दे तथा अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करे।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। बच्चों को उत्साहपूर्वक पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाई गई तथा अभिभावकों को नियमित टीकाकरण, स्वच्छता और बच्चों के समग्र स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया गया। अभियान को सफल बनाने के लिए 28 हजार 791 टीमें तथा 57 हजार से अधिक स्वास्थ्यकर्मी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन और स्वयंसेवक तैनात किए गए हैं। बूथ दिवस के बाद 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने राज्य के सभी 33 जिलों में अभियान की व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों, शहरी मलिन बस्तियों, ईंट-भट्ठों, निर्माण स्थलों पर रहने वाले श्रमिक परिवारों, प्रवासी एवं घुमंतू समुदायों के बच्चों तक विशेष रूप से पहुंच सुनिश्चित की जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की सुरक्षा से वंचित न रहे। वर्तमान राष्ट्रव्यापी पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत देशभर में लगभग 17 करोड़ बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि बच्चे को हाल ही में कोई अन्य टीका लगाया गया हो, तब भी पोलियो की खुराक पूरी तरह सुरक्षित है और अवश्य दी जानी चाहिए। हल्की सर्दी, खांसी या सामान्य बुखार होने पर भी बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई जा सकती हैं।

छत्तीसगढ़ में 36 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य

प्रदेश में 28 से 30 जून 2026 तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत राज्य के लगभग 35 लाख 98 हजार 904 (करीब 36 लाख) बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए पूरे प्रदेश में 14 हजार 396 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां 28 जून को बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है।

बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर मंत्री देवांगन ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ कोरबा जिले में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम, आबकारी तथा सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने रानी धनराज कुंवर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोरबा में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर किया। कार्यक्रम में महापौर संजू देवी राजपूत, पार्षद नरेन्द्र देवांगन एवं पार्षद श्रीमती रूबी सागर सहित जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के प्रथम चरण के शुभारंभ पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए आमजन एवं जनप्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक माता-पिता का यह दायित्व है कि वे अपने जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि यह अभियान बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें किसी भी बच्चे का छूटना नहीं चाहिए।

मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि जिले में आज 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 1 लाख 72 हजार 423 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिलेभर में 1578 पल्स पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां स्वास्थ्य विभाग की प्रशिक्षित टीमों द्वारा बच्चों को दवा पिलाई जा रही है। इसके अलावा गांवों, पारा-मोहल्लों, वार्डों, बाजारों, चौक-चौराहों एवं हाट-बाजारों में भी विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक दिलाने में सहयोग करें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान की शत-प्रतिशत सफलता सुनिश्चित करने के लिए सुदृढ़ कार्ययोजना तैयार की गई है। अभियान के प्रभावी संचालन हेतु सुपरवाइजरों की तैनाती की गई है। अभियान के दौरान यदि कोई बच्चा बूथ पर दवा पीने से छूट जाता है तो स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर उसे पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाएगी।

जिले के सभी विकासखंडों में भी जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान महापौर संजू देवी राजपूत एवं पार्षद नरेन्द्र देवांगन,प्रेसक्लब के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल ने भी सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाने की अपील की।

सिंगल विंडो सिस्टम (एकल कक्ष) बना ग्रामीणों के लिए वरदान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सिंगल विंडो सिस्टम एक डिजिटल गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है, जिसे व्यवसायों और नागरिकों को विभिन्न सरकारी विभागों से मंजूरी, लाइसेंस और अप्रूवल प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके माध्यम से अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर लगाने के बजाय एक ही जगह पर सभी दस्तावेज जमा करके काम पूरा हो जाता है।

सुकमा जिला कलेक्ट्रेट में संचालित एकल कक्ष दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में संचालित इस व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय दस्तावेज और प्रमाण-पत्र एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे लोगों का समय और धन दोनों बच रहे हैं तथा सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता भी नहीं पड़ रही है।

पुनर्वास केंद्र के हितग्राही माड़वी नागेश और माड़वी हांदा ने आधार पंजीयन के लिए आवेदन किया था। जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से मात्र 24 घंटे के भीतर उनका नया आधार कार्ड तैयार कर दिया गया। इसी प्रकार ग्राम रोकेल निवासी कनवल राम को नया वोटर आईडी कार्ड तथा ग्राम कुम्हाररास के अजय कुमार को आय, जाति और निवास प्रमाण-पत्र की पावती मौके पर ही उपलब्ध कराई गई। डिप्टी कलेक्टर शबाब खान ने हितग्राहियों को आवश्यक दस्तावेज सौंपे। शासकीय दस्तावेज समय पर मिलने से हितग्राहियों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बच्चों को पिलाई पोलियो रोधी खुराक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत आज देशभर में शुरू हुए विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से भी उत्साहपूर्वक हुई। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया और अभिभावकों से अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाने की अपील की।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। पोलियो जैसी गंभीर बीमारी पर भारत ने प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है, लेकिन इसे पूरी तरह समाप्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दो बूंद जिंदगी की स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण का आधार है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों और अभियान में लगे सभी कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेष रूप से अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में अभियान का प्रभावी संचालन सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सुरक्षा और बच्चों के समग्र विकास को लेकर लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान भी इसी संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक बच्चे को पोलियो से सुरक्षित रखना है।

अभियान के दौरान जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिनें एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित बूथों के साथ-साथ घर-घर जाकर भी बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाई जा रही है।

साय सरकार की जनकल्याणकारी पहल से सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जीवन की नई शुरुआत

पक्के घर ने बदली जिंदगी : पीएम जनमन आवास योजना से कृष्णा बैगा के सपनों को मिला अपना आशियाना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। किसी भी परिवार के लिए अपना सुरक्षित और पक्का घर केवल चार दीवारों का निर्माण नहीं होता, बल्कि वह सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का आधार होता है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्राम पंचायत पंडरीपानी के निवासी कृष्णा बैगा के जीवन में भी ऐसा ही सुखद परिवर्तन आया है। वर्षों तक कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों का सामना करने वाले कृष्णा बैगा का पक्के घर का सपना अब साकार हो चुका है। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत उन्हें पक्का आवास मिलने से उनके परिवार के जीवन में खुशियों का नया सवेरा आया है।

कृष्णा बैगा लंबे समय तक अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में रहने को विवश थे। बरसात आते ही घर की दीवारों में सीलन भर जाती थी, छत से पानी टपकने लगता था और घर में सांप-बिच्छुओं के प्रवेश का खतरा बना रहता था। ऐसे हालात में परिवार की सुरक्षा और बच्चों के भविष्य को लेकर वे हमेशा चिंतित रहते थे। सीमित संसाधनों के कारण स्वयं पक्का घर बनाना उनके लिए संभव नहीं था।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जब उनके गांव तक पहुंचा, तब उनके जीवन में परिवर्तन की नई शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत उनका आवास स्वीकृत हुआ और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मार्गदर्शन तथा सतत निगरानी में उनका पक्का घर तैयार हो गया। आज उनका परिवार एक सुरक्षित, स्वच्छ, मजबूत और सम्मानजनक आवास में जीवन व्यतीत कर रहा है।

कृष्णा बैगा बताते हैं कि अब बरसात का मौसम उनके लिए चिंता का कारण नहीं रहा। न छत से पानी टपकने की परेशानी है और न ही दीवारों में सीलन की समस्या। सबसे बड़ी राहत यह है कि अब परिवार को सांप-बिच्छुओं और अन्य खतरों का भय नहीं सताता। पक्का घर मिलने से उनके परिवार के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है और उनमें भविष्य के प्रति नया आत्मविश्वास जागा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पक्का घर मिलने से हमारे परिवार का जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब हम बिना किसी डर और परेशानी के अपने घर में सुकून और सम्मान के साथ रह रहे हैं। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी और सरकार का हृदय से धन्यवाद करता हूँ।

राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा विशेष रूप से प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों सहित पात्र ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जिला प्रशासन, जनपद पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों के समन्वित प्रयासों से योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।

साय सरकार का लक्ष्य केवल आवास उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों को सम्मानजनक जीवन, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर जीवन गुणवत्ता प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध निर्माण, पारदर्शिता और सतत निगरानी पर विशेष बल दिया जा रहा है, ताकि प्रत्येक पात्र परिवार अपने पक्के घर का सपना साकार कर सके। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में भी पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना एवं प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को तेजी से लाभान्वित किया जा रहा है। इन योजनाओं ने हजारों ग्रामीण और आदिवासी परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हुए उन्हें सुरक्षित आवास, सम्मान और बेहतर भविष्य का विश्वास दिया है।

50 खिलाड़ियों का ड्रेगन मार्शल आर्ट एकेडमी में हुआ कलर बेल्ट एग्जाम

कोरबा। जिला कोरबा कराते डू स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने रविवार को ड्रेगन मार्शल आर्ट एकेडमी में कलर बेल्ट एग्जाम कराया। इसमें येलो बेल्ट, ऑरेंज बेल्ट, ग्रीन बेल्ट का एग्जाम में डीएमसी के कुल 50 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने काता, कुमीते, डेमो फाइट्स में प्रदर्शन किया। एग्जाम मुख्य पर्यवेक्षक ब्लैक बेल्ट व एनआईएस कोच प्रेमराज बंजारे के मार्गदर्शन में हुआ। येलो बेल्ट में याशिका राठौर, इच्छा राठौर, वंश राठौर, खुशाल राठौर, तृषा गढ़वाल, गौरांश उरांव, अफीफा फातमा, विभा मिश्रा, आर्यन सिंह, चिन्मय साहू, अंश चंद्रा, समर्थ अग्रवाल, मोनिश कंवर, आराध्या खुंटेश्वर, जहां मानिकपुरी, योहांश जोशी, कृशिका यादव शामिल हुए।

आइसक्रीम पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेटः जलाराम लॉज में ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस, 3 युवतियों समेत 7 अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग स्थित इंद्रा मार्केट के जलाराम लॉज में आइसक्रीम पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। इस लॉज के नीचे मिठाई और आइसक्रीम की दुकान भी संचालित थी, जहां नए ग्राहकों को आने की अनुमति नहीं थी और केवल उन्हीं पुराने ग्राहकों को एंट्री मिलती थी जिनके नंबर पहले से सेव थे।

आसपास के लोगों को इसकी जानकारी थी; पुलिस ने पुख्ता खबर पर पहले जवान को फर्जी ग्राहक बनाकर भेजा, फिर अंदर से हरी झंडी मिलते ही छापा मारकर 5 घंटे कार्रवाई की। इस छापेमारी में आपत्तिजनक सामान के साथ लॉज संचालक, 3 युवतियां और ग्राहकों सहित कुल 8 लोग पकड़े गए, जिनसे पूछताछ जारी है।

अब जानिए पूरा मामलाः दुर्ग सिटी कोतवाली पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम रविवार दोपहर करीब 3 बजे तीन गाड़ियों से जलाराम लॉज पहुंची। टीम ने पहले एक पुलिसकर्मी को फर्जी ग्राहक बनाकर अंदर भेजा। जैसे ही उसने अंदर देह व्यापार चलने की पुष्टि करते हुए मैसेज भेजा, बाहर मुस्तैद पुलिस टीम ने एक साथ लॉज में दबिश दे दी।

ऊपर लॉज, नीचे मिठाई दुकान

जांच में सामने आया है कि जहां कार्रवाई हुई, उसके नीचे मिठाई दुकान और आइसक्रीम पार्लर है, जबकि ऊपर बने लॉज में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। आसपास के लोगों को इसकी जानकारी थी। नए कस्टमर को यहां आने नहीं दिया जाता था, पुराने कस्टमर जिनके नंबर सेव थे बस उन्हें ही एंट्री मिलती थी। पुलिस को भनक लगी तो रेड मारी। मौके से आपत्तिजनक सामान भी मिले हैं।

आपत्तिजनक स्थिति में मिले

आईपीएस हर्षित मेहर और डीएसपी भारती मरकाम की निगरानी में हुई इस रेड के दौरान पुलिस को तीन महिलाएं और दो पुरुष आपत्तिजनक हालत में मिले। मौके पर सेक्स रैकेट का संचालक विजय गुजराती भी मौजूद था। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर मौके से करीब 20 हजार रुपए कैश, चार मोबाइल फोन, 80 कंडोम के पैकेट और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। शुरुआती पूछताछ के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सभी आरोपियों को सिटी कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया।

दो ग्राहक और तीन महिलाएं गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले में पीटा एक्ट की धारा 3, 4, 5 और 7 के तहत केस दर्ज किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में देह व्यापार संचालित करने वाला जलाराम लॉज का ऑनर विजय गुजराती, ग्राहक नारायण देशमुख और तमाशा कुमार साहू शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि तीनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

केवल चुने हुए ग्राहकों को ही एंट्री

जांच में ये बात भी सामने आई है कि, लॉज में हर किसी की एंट्री नहीं थी। केवल उन्हीं लोगों को अंदर आने दिया जाता था, जिनका मोबाइल नंबर पहले से सेव रहता था। इससे आशंका जताई जा रही है कि पूरा काम प्लानिंग से संचालित हो रहा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इंदिरा मार्केट के मेन रोड पर संचालित इस लॉज, मिठाई दुकान और आइसक्रीम पार्लर में लंबे समय से देह व्यापार चल रहा था, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं थी।

जब पुख्ता जानकारी मिली, तो सिटी कोतवाली और एसीसीयू की टीम ने फुलप्रूफ प्लान बनाया। छापेमारी में कोई कानूनी कमी न रह जाए, इसलिए पहले एक पुलिसकर्मी को फर्जी ग्राहक बनाकर भेजा गया और फिर पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया गया।

खास खबर

पुरानी रंजिश और पैसों के विवाद में युवक पर जानलेवा हमला

रायपुर। राजधानी रायपुर के गंज थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश और पैसों के लेन-देन को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना 28 जून 2026 की रात करीब 10:15 बजे जनकबाड़ा स्थित मुक्ताली गली के पास हुई। मामले में ईकरार खान की शिकायत पर गंज थाना में अपराध क्रमांक 199/26 दर्ज किया गया है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी मोहम्मद अजहर (38) और फज्जू ने पुरानी रंजिश तथा पैसों के लेन-देन के विवाद को लेकर प्रार्थी के भाई हनीफखान के साथ गाली-गलौज की। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए हत्या की नीयत से किसी कठोर वस्तु से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 296, 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश और घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

मेरिन ड्राइव बना नशेड़ियों का अड्डा, लोग हो रहे परेशान

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट बनने के बाद भी अपराधियों के हौसले बुलंदी पर है। वहीं 112 की टीम को काल करने पर भी कई बार समय पर नहीं पहुंचने पर अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा स्थित मेरिन ड्राइव इन दिनों नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। नशे के कारोबार में कोई नहीं नहीं आ रही है जिसके चलते मेरिन ड्राइव में नशेड़ी गजेड़ी सुबह शाम नशा करते हुए दिखाई पड़ते हैं। इस संबंध में मार्निंग वॉक एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर वालिया एवं तेलीबांधा निवासी अजय मनचंदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि बुजुर्ग एवं सुबह शाम की सैर करने वाले नशेड़ियों की हरकतों के चलते बहुत परेशान हो रहे है। इस संबंध में तेलीबांधा थाना के प्रभारी एवं टीम को भी जानकारी दी गई है। इसके बाद भी नशेड़ियों के उत्पात में कमी नहीं आई है। आनंद नगर निवासी निशा त्रिवेदी ने पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला से नशा करने वाले नशेड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हुए इस संबंध में 112 की टीम को भी समय पर पहुंचने के लिए निर्देश देने की अपील की है।

गौवंश वध पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 12 आरोपी गिरफ्तार

नारायणपुर। जिले के बेनूर थाना क्षेत्र में गौवंश वध के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से गौवंश का मांस, पका हुआ मांस, खाल, पैर, पूंछ के अवशेष तथा घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार जब्त किए गए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 27 जून 2026 को थाना बेनूर को सूचना मिली थी कि ग्राम मालिंगनार पटेलपारा में कुछ लोग गौवंश का वध कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कार्रवाई के दौरान 12 व्यक्ति गौवंश को काटते हुए मिले। इस मामले में थाना बेनूर में अपराध क्रमांक 08/2026 दर्ज करते हुए छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 5 एवं 10 के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना शुरू की गई। गिरफ्तार आरोपियों में मंगलूराम सलाम (32), सिद्दू सलाम (58), मनकूर वड्डे (40), सुखमन करंगा (45), रामसिंग सलाम (35), इतवारु राम करंगा (42), मंगिया सलाम (30), सोमारू सलाम (27), मंगेल सलाम (50), मनकू वड्डे (40), सोमजी सलाम (30) और सन्नू (22) शामिल हैं। सभी आरोपी ग्राम मालिंगनार पटेलपारा, थाना बेनूर, जिला नारायणपुर के निवासी हैं।

बिलासपुर में बकरा चोर गैंग का खुलासा

एमपी से आकर रेकी के बाद स्कार्पियो में भरकर ले जाते थे बकरियां, 6 आरोपी गिरफ्तार, 1.50 लाख कैश बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में पुलिस ने मध्यप्रदेश के बकरा चोर गैंग का खुलासा किया है। अंतर्राज्यीय गिरोह के सदस्य पहले आकर रेकी करते थे। फिर मौका पाकर बकरियों को चोरी कर स्कार्पियो में भरकर ले जाते थे। पुलिस ने गैंग के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से स्कार्पियो और 1 लाख 50 हजार रुपए कैश बरामद किया है।

ग्राम चकराभाठा निवासी समन सिंह पैकरा ने 21 जून को थाना रतनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 19 जून की रात उन्होंने अपने 4 बकरे और 15 बकरियों को रोज की तरह चराकर घर लाने के बाद बकरी कोठा में बंद कर दिया था। अगले दिन सुबह उठकर देखा तो कोठा की ईंट की दीवार टूटी हुई थी और सभी 19 बकरा-बकरी गायब थे। चोरों ने रात के अंधेरे में कोठा तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। जिले में बकरी चोरी होने की लगातार वारदात हो रही थी। चकरभाठा, बिल्हा के बाद रतनपुर में हुई चोरी की घटना के बाद रतनपुर पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम गिरोह की तलाश में जुटी थी। इस दौरान टीम ने कुछ संदेहियों को पकड़कर पूछताछ की, तब मध्यप्रदेश के इस गिरोह का पता चला।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे एमपी से स्कार्पियो वाहन में सवार होकर गांव में खेत समतलीकरण (लेवलिंग) का काम मांगने जाते थे। इसी दौरान गांव में बकरा-बकरी रखने वाले घरों की पहचान कर उनकी रेकी करते थे। मौका मिलने पर रात के समय सुनसान स्थानों और घरों में बने कोठों को निशाना बनाकर बकरा-बकरी चोरी कर स्कॉर्पियों में भरकर फरार हो जाते थे।

1.75 लाख रुपए में बेची थीं चोरी की बकरियांः आरोपियों ने पुलिस को बताया कि चकराभाठा से चोरी किए गए 19 बकरा-बकरियों को उन्होंने 1 लाख 75 हजार रुपए में बेच दिया था। चोरी की रकम में से 25 हजार रुपए खर्च किए जा चुके थे, जबकि शेष 1 लाख 50 हजार रुपए पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद कर लिए। इसके अलावा चोरी में इस्तेमाल की गई स्कार्पियो वाहन को भी जब्त किया गया है।

बकरा चोरी करने सक्रिय था मध्यप्रदेश का गैंग

पुलिस ने बकरा चोरी करने वाले मध्यप्रदेश के जबलपुर के गोरा बाजार उमरिया निवासी बबलू खान (57) पिता स्व. बदन खान, उमरिया निवासी अमूर खान (66) पिता नत्थू खान, उमरिया के ही अमीन खान (41) पिता हकीम खान, हबीम खान (35) पिता दरबार खान, शाहरूख खान (22) पिता मशीन खान, उत्तरप्रदेश के अमरोहा जिले के रजकपुर निवासी मोहम्मद अच्छन (33) पिता मोहम्मद इलियास को गिरफ्तार किया है। वर्तमान में मोहम्मद अच्छन रतनपुर के कर्रा में रहता था।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार रघुनाथनगर पुलिस ने पकड़ा, बहला-फुसला कर ले गया था जंगल किया रेप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के रघुनाथनगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में 23 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता के पिता ने 28 जून को रघुनाथनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 27 जून की रात वे और उनकी पत्नी खाना खाकर सो रहे थे। देर रात जब वे पानी पीने उठे, तो देखा कि उनकी नाबालिग बेटी घर पर नहीं थी। रात भर खोजबीन के बाद सुबह बेटी मिली, जिसने बताया कि जनकपुर निवासी नंदू अगरिया (23) उसे बहला-फुसलाकर घर से ले गया था। आरोपी उसे पास के जंगल में ले गया और उसका रेप किया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर रघुनाथनगर थाने में आरोपी नंदू अगरिया के खिलाफ अपराध क्रमांक 71/2026 के तहत धारा 137(2), 64(2)**D BNS** और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। जाँच के दौरान पुलिस ने आरोपी नंदू अगरिया, पिता माधो राम अगरिया, निवासी जनकपुर, रघुनाथनगर की तलाश की। उसे 29 जून को गिरफ्तार कर माननीय विशेष न्यायालय रामानुजगंज में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर रामानुजगंज जेल भेज दिया गया है। प्रकरण के अन्य पहलुओं पर जांच जारी है।

बेमेतरा में दर्दनाक हादसाः दीवार ढहने से दो मासूम बच्चियों की मौत, महिला गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम राउरपुर में हुआ। मृत बच्चियों की पहचान वंशिका (11 वर्ष) और राधिका (7 वर्ष), पिता ओमप्रकाश कोशले, के रूप में हुई है। घायल महिला की पहचान शशिकला के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चियां घर के आंगन में थीं। इसी दौरान अचानक एक दीवार भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में दोनों बच्चियां और महिला आ गईं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस की मदद से तीनों को जिला अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों बच्चियों को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल शशिकला की हालत नाजुक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर दीवार के जर्जर होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

मुंबई पुलिस बनकर साइबर ठगों ने महिला से ठगे 35 हजार रुपये, पति की गिरफ्तारी का डर दिखाकर बनाया शिकार

फर्जी वीडियो भेजकर बढ़ाया डर, पति का मोबाइल भी बंद

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताकर एक महिला को उसके पति की गिरफ्तारी का डर दिखाया और उसे छुड़ाने के नाम पर 35 हजार रुपये ठग लिए।

मामले को और गंभीर इसलिए माना जा रहा है क्योंकि महिला का पति, जो बाहर ड्राइवर का काम करता है, कई दिनों से संपर्क में नहीं है और उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के मस्जिद मोहल्ला निवासी सोनी सिंह लोगों के घरों में काम कर परिवार का पालन-पोषण करती हैं। चार दिन पहले उनके व्हाट्सएप पर एक कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके पति को सोना-चांदी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है।

ठगों ने पहले पति को जेल से बचाने के नाम पर 7 हजार रुपये मांगे। महिला ने घबराकर तुरंत रकम ट्रांसफर कर दी। इसके बाद दोबारा कॉल कर 26 हजार रुपये और मांगे गए। जब महिला ने पैसे नहीं होने की बात कही तो ठगों ने उसके व्हाट्सएप पर मारपीट का एक फर्जी वीडियो भेजा, जिसमें उसके पति से मिलता-जुलता व्यक्ति दिखाई दे रहा था। पति की सुरक्षा को लेकर डरी महिला ने फिर पैसे भेज दिए।

इसके बाद ठगों ने महिला को उसके पति बनकर भी कॉल किया और छुड़ाने की गुहार लगाई। शुक्रवार को एक बार फिर फोन कर कहा गया कि उसके पति को मुंबई से लखनऊ ले जाया जा रहा है और यदि 20 हजार रुपये और भेज दिए जाएं तो रास्ते में ही छोड़ दिया जाएगा। लगातार पैसों की मांग और धमकियों के बीच महिला को ठगी का शक हुआ और वह सीधे सूरजपुर कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल मोबाइल नंबरों, बैंक खातों और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की जांच कर ठगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। वहीं महिला के लापता पति की तलाश भी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई है।

पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल पर घबराकर पैसे ट्रांसफर न करें। यदि कोई व्यक्ति खुद को पुलिस या अन्य सरकारी अधिकारी बताकर पैसे की मांग करता है, तो उसकी पुष्टि संबंधित एजेंसी से करें और तुरंत स्थानीय पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कांकेर । उत्तर बस्तर कांकेर जिले की आमाबेड़ा पुलिस ने नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी पर शादी का झांसा देकर पीड़िता का लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने का आरोप है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, थाना आमाबेड़ा क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि करीब एक वर्ष पहले आरोपी सकुनलाल पोयाम (21 वर्ष) ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया और जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह लगातार विवाह का भरोसा देकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। ग्राम तोरण्ड में घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया।

हत्या के आरोपी को हुई कारावास की सजा

कोरबा। साल 2026 के जनवरी माह में एक ग्रामीण की हत्या कर देने के मामले में आरोपी को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। उस पर 5000 रुपये का अर्थदण्ड भी अधिरोपित किया गया है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. ममता भोजवानी ने दोषसिद्ध पाए जाने पर आज आरोपी को सजा सुनाई है। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार मिश्रा के द्वारा मजबूत पैरवी की गई। जानकारी के मुताबिक कोरबा जिले के करतला थाना क्षेत्र के ग्राम गनियारी में 4-5 जनवरी 2026 की मध्य रात यह घटना हुई थी। ग्राम गनियारी निवासी नंद किशोर पटेल 39 वर्ष पत्नी और दो बच्चे के साथ रहता था। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने नंद किशोर पटेल का खून से सना शव देखा।

लोकतंत्र सेनानियों का त्याग नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है : मुख्यमंत्री

अपनी संस्कृति और मूल्यों से समाज को जोड़कर देश - दुनिया में अपनी पहचान को और मजबूत कर सकता है भारत : इंद्रेश कुमार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर स्थित डीडीयू ऑडिटोरियम में आपातकाल स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान समारोह में शामिल हुए। गरिमामयी समारोह में उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष पर आधारित स्मारिका आपातकाल के योद्धा का विमोचन किया तथा आपातकाल पर आधारित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री इंद्रेश कुमार ने अपने संबोधन में लोकतंत्र, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक जीवन मूल्य है, जिसे समझने और निभाने की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है।

उन्होंने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा कि यह समय भारतीय लोकतंत्र के लिए एक कठिन परीक्षा का काल था, जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ा। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को स्मरण करते हुए कहा कि उन लोगों ने जेल, यातनाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोकतांत्रिक आदर्शों को जीवित रखा।

मुख्य वक्ता श्री कुमार ने कहा कि इतिहास को याद रखना केवल अतीत को जानना नहीं है, बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य को बेहतर बनाना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की एकता, अनुशासन और सामाजिक समरसता को मजबूत करें तथा नशामुक्त और स्वच्छ समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों ने हमेशा समाज को जोड़ने का कार्य किया है और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश - दुनिया में अपनी पहचान को और मजबूत कर सकता है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना को जीवन में अपनाने की अपील करते हुए कहा कि राष्ट्र, ज्ञान और धर्म प्रथम की भावना ही भारत की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या सृष्टि का वह स्थान है जो सदैव पूजनीय रहेगा और सत्य व धर्म के मार्ग पर चलते हुए हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह कालखंड है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष, त्याग और जेल जीवन की कठिनाइयों को याद करते हुए कहा कि इन लोगों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया। श्री साय ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल स्मरण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सचेत करना है ताकि वे समझ सकें कि स्वतंत्रता और लोकतंत्र कितनी बड़ी कुर्बानियों के बाद प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती हमेशा से संघर्ष, संस्कृति और परंपरा की भूमि रही है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रही है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराने के लिए इस विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करना प्रशंसनीय पहल है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पारिवारिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में अनेक परिवारों ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि मेरे बड़े पिताजी स्वर्गीय नरहरि साय 19 महीनों तक जेल में रहे और इन परिवारों की पीड़ा को करीब से देखा है। उस दौर में जब घर के मुखिया को जेल में डाल दिया जाता था, तब लोकतंत्र सेनानियों के परिवार पर जीवन निर्वाह का संकट आ गया था। श्री साय ने कहा कि इस कठिन समय में स्वयंसेवक भेष बदलकर लोकतंत्र सेनानियों के परिवार को अनाज पहुंचाने का काम करते थे ताकि कोई भूखा न रहे। उन्होंने उस दौर से जुड़ी कई और स्मृतियां भी साझा की और सभी लोकतंत्र सेनानियों का पुण्य स्मरण किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि कहा कि 1975 का आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती था। उन्होंने प्रेस सेंसरशिप, मौलिक अधिकारों के निलंबन और संविधान संशोधनों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समय लोकतंत्र की मजबूती और जागरूकता का प्रतीक बनकर सामने आया। आपातकाल हमें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सदैव सजग रहने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी संघ श्री कैलाश सोनी, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक मती गोमती साय, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय वास्तव, सीजीएमएससी के चेयरमैन दीपक म्हस्के, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष मती वर्णिका शर्मा, महामण्डलेश्वर अजय रामदास, अखिलेश सोनी, लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर तिवारी, लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने समेत अनेक प्रबुद्धजन तथा लोकतंत्र सेनानी और उनके परिजन मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान आपातकाल स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 540 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय स्तर पर आपातकाल कभी विस्मृत न हो विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में जे.आर. दानी गर्ल्स स्कूल, रायपुर की जागृति जांगड़े ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और उन्हें 31 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। विवेकानंद विद्यापीठ, कोरबा के सूरज तांडिया को द्वितीय तथा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल, दुर्ग के अंश देशमुख तृतीय स्थान पर रहे। वहीं महाविद्यालय स्तर पर 25 जून : संविधान हत्या दिवस विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में रायपुर की सु कल्याणी पटले प्रथम, रायगढ़ की सीमा साव द्वितीय तथा दुर्ग की सु खुशबू तृतीय स्थान पर रहीं। मुख्यमंत्री ने सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान करते हुए लोकतंत्र और संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

महिलाओं का सशक्तिकरण ही आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

महिलाओं को आत्मनिर्भरता का संदेश, महतारी वंदन, स्व-सहायता समूहों और स्वरोजगार से जुड़ने का किया आह्वान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक उन्नति राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। महिलाओं का सशक्तिकरण ही आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है।

यह बात महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम कुरुषनार में आयोजित महतारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर, स्वावलंबी एवं सम्मानजनक जीवन प्रदान करने का सतत प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में स्व-सहायता समूहों से जुड़ने तथा स्वरोजगार आधारित गतिविधियों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि समूहों की सामूहिक शक्ति ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा और मजबूती प्रदान कर रही है। अपने नारायणपुर प्रवास के दौरान मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े महतारी सम्मेलन में शामिल हुईं, जहां ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका आत्मीय स्वागत किया।

सम्मेलन में महिलाओं ने महतारी वंदन योजना और स्व-सहायता समूहों से जुड़ने के बाद अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को साझा किया। उन्होंने बताया कि योजनाओं से प्राप्त आर्थिक सहयोग और समूह आधारित आजीविका गतिविधियों ने उनकी आय बढ़ाने तथा परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मंत्री राजवाड़े ने जानकारी दी कि महतारी वंदन योजना का पोर्टल शीघ्र ही पुन: प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने पात्र महिलाओं से अपील की कि जो महिलाएं किसी कारणवश अब तक योजना से नहीं जुड़ सकी हैं, वे पोर्टल खुलते ही अपना पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि उन्हें भी योजना का लाभ मिल सके। साथ ही अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से पात्र महिलाओं का समयबद्ध पंजीयन सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

महतारी सम्मेलन के दौरान महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण का सामूहिक श्रवण भी किया। कार्यक्रम में महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कंदाड़ी ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम कुरुषनार की 76 वर्षीय रासोबाई, 76 वर्षीय सुगदई तथा 73 वर्षीय मोटेबाई को समाज कल्याण विभाग की ओर से सहायक छड़ी प्रदान की। उन्होंने आंगनबाड़ी परिसर में मुनगा का पौधरोपण कर पोषण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सत्य साई अस्पताल रायपुर में हृदय का सफल ऑपरेशन करा चुकी आंगनबाड़ी की छात्रा कुमारी अनुष्का से भेंट कर उसका हालचाल जाना तथा उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, स्वावलंबन और सशक्तिकरण से गांवों के विकास को नई गति मिलेगी तथा आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प और अधिक सशक्त होगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सर्वसुविधायुक्त वेंटिलेटर एंबुलेंस का किया लोकार्पण, जरूरतमंदों को मिलेगा बड़ा लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

कम लागत में मिलेगी जीवनरक्षक सुविधा

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज बिलासपुर के अग्रसेन चौक में अत्याधुनिक वेंटिलेटर युक्त एंबुलेंस का लोकार्पण किया। यह एंबुलेंस सर्व समाज के लोगों को कम लागत पर उपलब्ध होगी। साव ने इस जनसेवा के कार्य के लिए अग्रवाल महासभा की सराहना करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अक्सर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाना पड़ता है। ऐसे समय में वेंटिलेटरयुक्त एंबुलेंस की आवश्यकता सबसे अधिक होती है। इसके अभाव में कई बार मरीज की जान पर भी संकट आ जाता है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल महासभा ने लोगों की इस आवश्यकता को समझते हुए समाज को अत्याधुनिक एंबुलेंस समर्पित की है। यह सेवा अनेक जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होगी। समाज को पोर्टेबल वेंटिलेटर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकेगा।

श्री साव ने कहा कि यह एंबुलेंस समाज के हर वर्ग के लिए कम कीमत पर उपलब्ध रहेगी। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी बड़ी राहत मिलेगी। यह सेवा मानवता और जनकल्याण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रवाल समाज हमेशा से समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और जनहित के अनेक कार्यों में समाज की सक्रिय भागीदारी रही है। अत्याधुनिक एंबुलेंस उपलब्ध कराकर समाज ने अनुकरणीय कार्य किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि अग्रवाल समाज भविष्य में भी महाराजा अग्रसेन के आदर्शों पर चलते हुए सेवा और परोपकार के ऐसे कार्य करता रहेगा।

अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, महामंत्री ओमप्रकाश अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र अग्रवाल, समाज के प्रबुद्धजन सर्वश्री चतुर्भुज अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नित्यानंद अग्रवाल और सूरजमल अग्रवाल सहित समाज के अलग-अलग विंग्स के पदाधिकारी भी इस दौरान मौजूद थे।

बलरामपुर में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, कलेक्टर ने बच्चों को पिलाई जीवनरक्षक दो बूंद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत बलरामपुर जिले में तीन दिवसीय विशेष अभियान का शुभारंभ रविवार को किया गया। अभियान की शुरुआत जिला अस्पताल में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी द्वारा बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अनुज टोप्पो सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ और सुरक्षित बचपन सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जन्म से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक अवश्य पिलाई जाए, ताकि कोई भी बच्चा इस गंभीर बीमारी के खतरे से वंचित न रहे। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए बच्चों को समय पर पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं।

जिले में अभियान के प्रथम दिन 693 पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई।

अभियान के संचालन के लिए 1386 स्वास्थ्यकर्मियों एवं सहयोगी दलों की तैनाती की गई है। राजपुर विकासखंड के ग्राम परसागुड़ी में अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई, वहीं वाड्रफनगर एवं रघुनाथनगर क्षेत्र में भी प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में अभियान संचालित किया गया। बस स्टैंड सहित सार्वजनिक स्थलों पर भी विशेष बूथ स्थापित कर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में भारत को पोलियो मुक्त राष्ट्र का दर्जा प्राप्त हुआ था, लेकिन वैश्विक स्तर पर पोलियो वायरस की मौजूदगी को देखते हुए सतत सतर्कता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पोलियो मुक्त भारत की उपलब्धि को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है।

अभियान के अंतर्गत जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 1 लाख 7 हजार 731 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर पोलियो ड्रॉप पिलाएंगी। अभियान के सफल संचालन में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता तथा विभिन्न सहयोगी विभागों की संयुक्त भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

स्कूटी से शहर का निरीक्षण करने निकले उप मुख्यमंत्री अरुण साव

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा सुनिश्चित करने के निर्देश, 70 नालों के गंदे पानी को नदी में जाने से रोकने बनेगा व्यापक तंत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लगभग तीन घंटे तक स्कूटी से बिलासपुर शहर का भ्रमण कर नगर निगम, स्मार्ट सिटी तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि कार्यों में अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी और नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे भी उनके निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री साव ने बिलासपुर में मंगला स्थित 10 एमएलडी एवं 6 एमएलडी क्षमता के निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), कोनी कन्वेंशन सेंटर, शिवघाट बैराज, रामसेतु के बाईं ओर अटल पथ निर्माण, अशोकनगर-बिरकोना सड़क गौरव पथ निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करने में आ रही बाधाओं का निराकरण कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसटीपी निर्माण में विलंब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि ठेकेदार निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि अरपा नदी बिलासपुर की जीवनदायिनी है और शहरवासियों की भावनाओं से जुड़ी हुई है। इसके संरक्षण एवं पुनरुद्धार में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने अरपा नदी को प्रदूषण से मुक्त करने और उसके पुनरुद्धार के लिए तैयार 250 करोड़ 93 लाख रुपये की परियोजना को सैद्धांतिक सहमति प्रदान करते हुए इसे शीघ्र धरातल पर उतारने की आवश्यकता बताई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में शहर के लगभग 70 नालों का दूषित पानी सीधे अरपा नदी में गिर रहा है, जिससे नदी का जल प्रदूषित हो रहा है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम द्वारा 250 करोड़ 93 लाखि रुपये की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया गया है। इसके तहत नगर निगम सीमा क्षेत्र में 17 किलोमीटर लंबाई में प्रवाहित 70 नालों के दूषित जल को उपचारित करने की व्यापक योजना बनाई गई है। परियोजना में 57 स्थानों पर इंटरसेप्शन एवं डाइवर्जन स्ट्रक्चर, 13 स्थानों पर डाइवर्जन वियर, 9.99 किलोमीटर डाइवर्जन सीवर, 2.77 किलोमीटर सीवरेज पंपिंग राइजिंग मेन, 3 सीवेज पंपिंग स्टेशन, 2 नए एसटीपी सहित विद्युतीकरण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन कार्य शामिल हैं। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से नालों का गंदा पानी नदी में जाने से पहले उपचारित किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की सभी आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण कर राज्य शासन स्तर पर त्वरित स्वीकृति की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अरपा नदी के संरक्षण का कार्य जल्द प्रारंभ हो सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शहर में बेतरतीब ढंग से लगे बिजली के खंभों एवं ट्रांसफार्मरों को व्यवस्थित स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही भविष्य में नए बिजली खंभे अथवा ट्रांसफार्मर स्थापित करने से पूर्व नगर निगम की अनिवार्य सहमति लेने के निर्देश दिए। कोनी स्थित कन्वेंशन सेंटर के लिए पर्याप्त वाहन पार्किंग विकसित करने तथा उसके पीछे स्थित शासकीय भूमि का उपयोग पार्किंग के रूप में किए जाने के निर्देश भी उन्होंने अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जनहित के सभी काम समय पर पूर्ण हों, और लोगों को त्वरित रूप से इनका लाभ मिले। ठेकेदारों को पेनाल्टी अथवा सजा दिलाना हमारा उद्देश्य नहीं है।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी विकास परियोजनाओं के समयबद्ध पूर्ण होने से बिलासपुर की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और शहर की दशा एवं दिशा में व्यापक परिवर्तन आएगा।

उप मुख्यमंत्री साव के निरीक्षण के दौरान विधायक सुशांत शुक्ला भी पूरे समय साथ थे। उन्होंने भी अधिकारियों को लम्बे समय से अधूरे पड़े इन कार्यों को जल्द पूर्ण करने का व्यवहारिक समाधान सुझाया। निरीक्षण के दौरान स्मार्ट सिटी परियोजना, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सीएसईबी, जल संसाधन विभाग के अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950